R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 116
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
शनिवार, 3 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

3 माघ मेला क्षेत्र में भूमि न मिलने पर भड़के पुरोहित... 5 महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा किया गया जागरूक 7 साउथ फिल्म 'डियर कॉमरेड' का बनेगा हिंदी वर्जन?

रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी ने गुजरात के आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2015 बैच के अधिकारी और गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के पूर्व जिलाधिकारी राजेंद्रकुमार पटेल को रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया, 'ईडी ने रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में पटेल को गिरफ्तार किया है।' पटेल को एक

हफ्ते पहले उस समय बिना किसी नयी तैनाती के स्थानांतरित कर दिया गया था, जब ईडी ने उनके कार्यालय में कार्यरत एक उप मामलतदार (राजस्व अधिकारी) को रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज होने के बाद उप मामलातदार चंद्रसिंह मोरी और अन्य लोगों के खिलाफ कथित धन शोधन मामले की जांच कर रही है। गुजरात भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने भी धन शोधन जांच के सिलसिले में ईडी की शिकायत पर पटेल और तीन अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उप मामलातदार के रूप में, मोरी को सौराष्ट्र घरखेड़ किरायेदारी बंदोबस्त और कृषि भूमि अध्यादेश 1949 के तहत मालिकाना हक के सत्यापन और भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) से जुड़े आवेदनों के निपटारे का काम सौंपा गया था।

केरल नए सवेरे के लिए तैयार, फिक्स्ड मैच वाली राजनीति जल्द खत्म होगी

पीएम मोदी ने बताया बीजेपी का भविष्य योजना

तिरुवनंतपुरम **(एजेंसी)**। राज्य में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में मिली जीत को केरल में बड़े चुनावी विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर पेश करने की बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है। वीवी राजेश को लिखे पत्र में मोदी ने केरल के विरोधी राजनीतिक मोर्चों सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) -- पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य में 'फिक्स्ड मैच' खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में बीजेपी की पहली जीत के बाद यह व्यवस्था खत्म होने वाली है।

प्रधानमंत्री ने लिखा, 'एलडीएफ और यूडीएफ का फिक्स्ड मैच -- दिल्ली में दोस्त और केरल में दुश्मन -- अब खत्म होने वाला है। केरल उनके झूठे वादों से आज़ाद होना चाहता है।' सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाला एलडीएफ अभी राज्य में सरकार चला रहा है, जबकि कांग्रेस यूडीएफ का नेतृत्व करती है। केरल में राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद, ये दोनों राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के तहत सहयोगी हैं।

प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी के सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरने को 'युग बदलने वाला' बताया और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद राज्य की राजधानी में बीजेपी के सत्ता में आने पर राजेश, डिप्टी मेयर जीएस आशा नाथ और अन्य पार्टी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने इसे बहुत गर्व और खुशी का पल बताया और इसे 'सुनहरे अक्षरों में लिखा गया' एक मील का पत्थर बताया।

उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस 'बिना किसी भेदभाव के राष्ट्रवाद, बिना भ्रष्टाचार के विकास और बिना तुष्टीकरण के शासन' पर आधारित एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है।

पार्टी की और तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दशकों से केरल में एक लंबा और मुश्किल सफर तय किया है, जिसे उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों के खराब शासन का नाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों ने भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, लेकिन कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता दृढ़ रहे, निडर होकर जनता के मुद्दे उठाते रहे और 'इंडिया फर्स्ट' की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा : राहुल गांधी का भाजपा सरकार पर तीखा हमला, प्रशासन कुंभकर्णी नींद में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंदौर में कथित जल प्रदूषण की घटना को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए इसे ज़हर बाँटने का मामला बताया, जबकि प्रशासन कुंभकर्ण की तरह सो रहा था। इस घटना पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। राहुल गांधी ने एक्स पर

पोस्ट किया कि इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं - और ऊपर से भाजपा नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। राहुल ने आगे लिखा कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने सवाल किया कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये 'फोकट' सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए भाजपा का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें।

राजनाथ 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' पर चेतावनी देते हुए बोले- शिक्षित ही करने लगें राष्ट्र के विरुद्ध कार्य

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश में 'व्हाइट-कॉलर टेरेरिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां सामने आ रही हैं जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। सिंह ने दिल्ली में पिछले दिनों हुई घटना का जिक्र करते हुए यह बात कही जहां 'बम विस्फोट' करने वाला डॉक्टर था। वह यहां एक विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने कहा, ''धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं होती है तथा कभी-कभी यह घातक भी सिद्ध हो जाती है। शायद यही कारण है और बहुत बड़ी विडंबना है कि बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज 'व्हाइट कॉलर टेररिज़म' जैसी चिंताजनक प्रवृतियां देशवाशियों के सामने आ रही हैं, जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हाल में दिल्ली में 'बम विस्फोट' करने वाला कौन था? डॉक्टर था। वरना जो डॉक्टर पर्चे पर हमेशा 'आरएक्स' लिखकर प्रस्क्रिप्शन लिखते हैं ... उन डॉक्टरों के हाथ में 'आरडीएक्स' हो? इसलिए आवश्यक है कि ज्ञान के साथ साथ संस्कार भी होना चाहिए। चरित्र भी होना चाहिए।''

केंद्रीय मंत्री का कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण है। चरित्र को 'व्यापक परिप्रेक्ष्य' में देखा जाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशेवर सफलता' नहीं है बल्कि सदाचार, नैतिकता और एक मानवीय व्यक्तित्व का निर्माण भी है। यही भारतीय शिक्षा दर्शन की मूल आत्मा है। इससे समाज में समरसता व शांति बढ़ती है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास है कि हम

भारतीय शिक्षा के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए उसे नए युग के साथ तालमेल बनाए रखने के लायक भी बनाएं।'' उन्होंने कहा, ''प्रौद्योगिकी में बदलाव आ रहा है। उससे कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग तथा अन्य तकनीकी हमारे जीवन और काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल रही है। हमें इनका सकारात्मक इस्तेमाल करते हुए भारत के विकास को नई गति देनी होगी।''

उन्होंने कहा कि भारत आज 'नॉलेज इकोनॉमी' के रूप में उभर रहा है तथा 2014 में 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' में भारत की रैंकिंग 76 थी जो 2024 में 39 हो गयी है, यह दूरदर्शी सुधारों के कारण हुआ है। सिंह ने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, 'हम 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ आत्मविश्वास से बढ़ रहे है।' उन्होंने कहा, ''मैं विश्वास से कह सकता हूं कि आने वाले 15-20 साल में हमारा भारत हथियारों के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जायेगा।''

भाजपा के निक्कमेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज, इंदौर कांड पर खरगे का पीएम मोदी पर तीखा हमला

इंदौर **(एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि ''जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली हो रही है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जल जीवन मिशन

और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ़ पानी के मोहताज हैं।'' उन्होंने दावा किया कि 11 साल से देश केवल लंबे-चौड़े भाषण, झूठ-प्रपंच, खोखले दावे, डबल-इंजन की डींगें सुन रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''जब मंत्री जी से सवाल पूछा जाता है तो वो गाली-गलौज पर उतर आते हैं। सत्ता के अहंकार में उल्टा पत्रकार पर हावी हो जाते हैं। भाजपा सरकारों के कुशासन पर पूरी मशीनरी पर्दा डालने में जुट जाती है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली है। उनका कहना था, ''याद दिलाना ज़रूरी है कि इस मिशन के तहत जल जीवन मिशन का 10 प्रतिशत धन दूषित पानी को साफ़ करने के लिए दिया जाता है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''मोदी सरकार और भाजपा ने ना देश को साफ़ पानी मुहैया कराया है और ना ही स्वच्छ हवा। आम जनता भुगत रही है।''

दिल्ली हवाई अड्डे पर करीब 21 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से लगभग 21 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन जब्त की, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों को 31 दिसंबर को बैंकॉक (थाईलैंड) से आने के बाद रोका गया। उन्होंने बताया कि गुजरात के रहने वाले दोनों आरोपी अलग-अलग उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया, 'काले रंग के दो ट्रॉली बैग की जांच के दौरान अधिकारियों को उनके भीतर छिपाकर रखे गए पॉलीथीन बैग मिले, जिनमें सफेद रंग का पदार्थ बरामद हुआ, जिसके नशीला पदार्थ होने का संदेह था।' विभाग ने बताया कि जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 2, 095.5 ग्राम है और प्रारंभिक जांच में इसके कोकीन होने के संकेत मिले हैं। विभाग के मुताबिक, बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 20.95 करोड़ रुपये बताई गई है।

ओवरलोड बालू लदे डंपर ने स्कूटी सवार युवती को कुचला, मौत

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सरायअकिल कोतवाली के नेवादा में बृहस्पतिवार दोपहर ओवरलोड बालू लदे डंपर ने स्कूटी सवार युवती को पीछे से टक्कर मारते हुए कुचल दिया। हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने युवती को प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल भेजा। वहां डाक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के झपिया लालबिहारा निवासी दीपिका सिंह (22) पुत्री पारसनाथ डाक विभाग में सहायक शाखा डाकपाल थीं। इन दिनों उनकी तैनाती नेवादा ब्लॉक के उपडाकघर तिल्हापुर के बिगहरा उस्मानपुर गांव के थी।

दीपिका के सहपाठी कर्मचारी उमेश शुक्ला ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर वह ड्यूटी खत्म होने पर स्कूटी से अपने घर जा रहीं थी। जैसे ही वह नेवादा गांव पहुंची, पीछे से ओवरलोड बालू लादकर आ रहे डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर की टक्कर लगने के बाद दीपिका स्कूटी समेत सड़क पर गिर गई। इस दौरान डंपर ने उन्हें कुचलते हुए आगे बढ़ गया। इस दौरान चालक डंपर को मौके पर छोड़कर भाग गया।

लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस और दीपिका के सहयोगियों को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल दीपिका को पहले नजदीकी अस्पताल फिर स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल प्रयागराज भेजा। जानकारी होने पर दीपिका के बड़े भाई रितेश और उनके पड़ोसी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। स्वरूप रानी अस्पताल पहुंचने न पर डॉक्टरों ने दीपिका को मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर वीर प्रताप सिंह ने बताया कि घायलावस्था में युवती को एसआरएन प्रयागराज भेजा गया था, वहां उनकी मौत हो गई है। लिखापढ़ी के बाद शव को शवगृह में रखवा दिया गया है।

135 में से 119 आर.आर.सी सेन्टर संचालित पाये गाये, बंद रहे 16 सेंटर

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद की समस्त ग्राम पंचायतो में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत आर.आर.सी. सेन्टर का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, 451 ग्राम पंचायतों के सापेक्ष 440 ग्राम पंचायतो में आर.आर.सी. सेन्टर का निर्माण कार्य कराया जा चुका है।

ज्ञात हो कि शासन के प्राथमिकता के आधार पर निर्मित सभी आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन कराया जाना अत्यंत आवश्यक है। आर.आर. सी. सेन्टर का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायतो से निकलने वाले ठोस अवशिष्ट का प्रबन्ध करना एवं घरो से निकलने वाले कचडे को कूड़ा गाड़ी के माध्यम से एकत्र करते हुये आर.आर.सी. सेन्टर में पहुंचा कर उसका निस्तारण कराया जाना, जिससे ग्राम पंचायत को कचड़ा एवं वर्मी खाद बेचते हुये स्वयं का आय अर्जित किया जा सके।

जिलाधिकारी के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत द्वारा संचालित किये जा रहे आर.आर.सी. सेन्टर की हकीकत को जानने के लिये आज 45 अधिकारियो द्वारा 135 आर.आर.सी सेन्टर का औचक निरीक्षण कराते हुये निर्धारित चेकलिस्ट पर सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये है।

निरिक्षण उपरान्त 135 ग्राम पंचायतो में से 119 आर.आर.सी सेन्टर संचालित पाये गाये, जबकि 16 सेन्टर संचालित नहीं पाए गए।

वहीं, 36 ग्राम पंचायत में वर्मी कम्पोष्ट तैयार कर विक्रय की जाती है। 135 ग्राम पंचायतो में आर0आर0सी0 सेन्टर के संचालन से प्राप्त कुल आय 1 लाख 56 हजार 8 सौ रुपए रिपोर्ट में पायी गयी।

सत्यापन दौरान विकास खंड मंझनपुर की ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर, गुलामीपुर, थम्बा अलावलपुर एवं विकास खंड मुरतगंज की शोभना बंद पाया गया

जिन ग्राम पंचायतो में सत्यापन के समय आर.आर.सी. सेन्टर का संचालन में लापरवाही बरती गयी है उस ग्राम पंचायत के सचिव को नोटिस निर्गत करते हुये 3 दिवस के अन्दर संचालन कराये जाने के निर्देश दिये गये है।

अपर जिलाधिकारी ने वृद्धाश्रम में वृद्धजनों को किया कम्बल वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर वृद्धाश्रम, ओसा पहुँचकर वृद्धजनों को कम्बल का वितरण किया। उन्होंने बुजुर्गो से आश्रम में मिल रहीं सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और आश्रम के प्रबन्धक आलोक राय को निर्देशित किया कि आश्रम में रह रहें वृद्धजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये। उन्हांने आश्रम में अलाव ताप रहें वृद्धजनों से ठण्ड से बचाव एवं स्वास्थ्य शिविर के बारे में जानकारी प्राप्त की, जिस पर वृद्धजनों द्वारा बताया गया कि शीतलहर के दृष्टिगत वृद्धाश्रम में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध रहती है एवं समय से नास्ता व भोजन आदि भी उपलब्ध कराया जाता है तथा प्रत्येक मंगलवार को सीएमएस एवं उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर स्वास्थ्य का चेक-अप करते हुए आवश्यकतानुसार दवाईयॉ उपलब्ध कराई जाती हैं। अपर जिलाधिकारी ने प्रबन्धक आलोक राय के इस पुनित कार्य की सराहना करते हुए कहा कि बुजुर्गो की सेवा से बड़ी सेवा कुछ भी नहीं है।

एसपी एवं डीएम द्वारा माघ मेला-2026 के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया

ब्यूरो कौशांबी (रमेश अकेला)

कौशाम्बी। माघ मेला-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा जिलाधिकारी कौशाम्बी अमित पाल के साथ थाना कोखराज क्षेत्रांतर्गत कोखराज बाईपास एवं सकाड़ा तिराहा पर यातायात व्यवस्था में लगे पुलिस बल का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस सहायता केंद्र का भी निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने, यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने, किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति न बनने देने तथा मेला अवधि में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं/यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए साथ ही यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी सिराथू सहित संबंधित पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।

ज्ञात हो कि इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेष के लिए ऑफलाइन/ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम-बेलहट, प्रयागराज में उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों तथा कोविड-19 की महामारी के दौरान कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अन्तर्गत पात्र बच्चों के लिए शैक्षिक सत्र-2026-27 के लिये कक्षा-06 में उपलब्ध कुल 160 सीट (80 बालक एवं 80 बालिकाएं) व कक्षा-09 में उपलब्ध कुल 61 सीट (30 बालक एवं 31 बालिकाएं) पर प्रवेश के लिए ऑफलाइन/ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए है।

ज्ञात हो कि मुख्य विकास अधिकारी ने बताया है कि अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन पत्रों का वितरण प्रयागराज मण्डल के सभी जिलों के सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सभी खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय, बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जनपदीय श्रम कार्यालयों तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय से प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक प्राप्त किए जा सकतें हैं। आवेदन पत्र पूर्ण रुप से भरने के उपरांत इन्ही कार्यालयों में जमा भी किया जा सकता है। इसके साथ ही अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन ल्र्ल्दम्है.ग्ह के माध्यम से अथवा इन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराये गये क्यू आर कोड स्कैन कर सफलतापूर्वक भर सकतें है।

परीक्षा अवधि-02 घण्टे की होगी। प्रवेश परीक्षा अपराह्न 11ः00 से 01ः00 बजे तक। प्रवेश परीक्षा अंग्रेजी और हिन्दी दोनां भाषाओं में आयोजित की जायेगी। दिव्यांग छात्रों के लिये 40 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जायेगा। विद्यालय में प्रवेश पूर्ण रूप से मेरिट के आधार पर किया जायेगा तथा किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में संबंधित जनपद के जिलाधिकारी का निर्णय मान्य होगा। किसी भी सूचना एवं जानकारी के लिए कार्यालय श्रम प्रवर्तन अधिकारी, विकास भवन मंझनपुर कौशाम्बी एवं अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम-बेलहट, प्रयागराज के दूरभाष नम्बर प्रधानाचार्य-7408455664, प्रशासनिक अधिकारी, अ0आ0वि0-9602634182, 9621042143, 9415078027 एवं 7355416301 सम्पर्क किया जा सकता है।

सुशासन के दावों पर सवाल : शोहरतगढ़ तहसील में वायरल वीडियो से मचा हड़कंप

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में आज प्रदेश सरकार जहां एक ओर भ्रष्टाचार मुक्त शासन और जीरो टॉलरेंस की नीति को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं सिद्धार्थनगर जनपद की शोहरतगढ़ तहसील से सामने आई जमीनी हकीकत इन दावों को कटघरे में खड़ा करती नजर आ रही है। शोहरतगढ़ तहसील कार्यालय से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।बिना 'दक्षिणा' नहीं बढ़ती फाइल!स्थानीय सूत्रों के अनुसार शोहरतगढ़ तहसील में आम नागरिकों को अपने वैध कार्यों के लिए भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।चर्चा है कि यहां सरकारी प्रक्रिया से अधिक कथित 'सुविधा शुल्क' अहम भूमिका निभाता है। लोगों के बीच यह धारणा गहराती जा रही है कि नियम-कानून और ज्ञान से ज्यादा प्रभाव धनबल का है, और बिना कथित लेन-देन के फाइलें एक मेज से दूसरी मेज तक नहीं सरकतीं।कैमरे में कैद हुआ कथित लेन-देन शोहरतगढ़ तहसील परिसर उस समय चर्चा का केंद्र बन गया जब एक कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वह कथित तौर पर पैसे लेते हुए दिखाई दे रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है, लेकिन इसके सामने आते ही प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और आमजन के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।इस मामले ने शोहरतगढ़ तहसील प्रशासन की कार्यशैली को कठघरे में खड़ा कर दिया है। आम लोगों के मन में कई सवाल गूंज रहे हैं–क्या यह सब उच्चाधिकारियों की जानकारी में हो रहा था? क्या भ्रष्टाचार मुक्त शासन का दावा केवल कागजों और भाषणों तक सीमित है? वायरल वीडियो सामने आने के बाद क्या ठोस कार्रवाई होगी या मामला जांच के नाम पर ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा? फिलहाल इस पूरे प्रकरण में सभी की निगाहें जिला व उच्च प्रशासनिक अधिकारियों पर टिकी हैं। जनता यह जानना चाहती है कि क्या निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या फिर यह मामला भी समय के साथ दबा दिया जाएगा। सुशासन की कसौटी पर प्रशासन कितना खरा उतरता है, इसका जवाब आने वाला वक्त देगा।

डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल के जन्मदिवस पर कंबल वितरण व अभिनंदन समारोह

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की लोकसभा क्षेत्र डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के जन्मदिवस के अवसर पर तुलसियापुर में भव्य कंबल वितरण एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस दौरान जनसेवा की मिसाल पेश करते हुए लगभग चार हजार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरित किए गए। मंत्री एके शर्मा ने स्वयं कई परिवारों को कंबल प्रदान कर सेवा भाव का संदेश दिया।समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने सांसद जगदंबिका पाल को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे जनता के प्रति समर्पित ऐसे नेता हैं, जिनकी बात दिल्ली से लेकर लखनऊ तक गंभीरता से सुनी जाती है। उन्होंने कहा कि सांसद पाल ने हमेशा क्षेत्र के विकास और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

मंत्री एके शर्मा ने बताया कि नगर विकास विभाग के माध्यम से सिद्धार्थनगर जनपद में अब तक 2000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं, जिनमें से आधे से अधिक कार्य सांसद जगदंबिका पाल की अनुशंसा पर स्वीकृत एवं पूर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा कि विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी सांसद के प्रयासों से अनेक गांवों व मजरों तक बिजली पहुंची है, जिससे ग्रामीण जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। मंत्री ने यह भी कहा कि जन्मदिवस जैसे अवसरों पर विदेश या पर्यटन स्थलों पर जाने के बजाय जनता के बीच रहकर सेवा कार्य करना, उनके जनसेवक होने का प्रमाण है।इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति की है। सांसद ने कहा कि उन्होंने राजनीति को कभी सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा, जिम्मेदारी और कर्तव्य के रूप में देखा है।

कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान व बढ़नी नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील अग्रहरी, राजेंद्र पांडेय, उमेश पाण्डेय, चिंकू यादव सच्चिदानंद पांडे नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहें।

गायक गोविंद चौहान ने 'इंडियाज टैलेंट फाइट' में जीता गोल्ड मेडल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है।ग्राम पंचायत जोगीबारी निवासी प्रतिभाशाली गायक गोविंद चौहान ने अपनी मेहनत, लगन और सुरों की साधना के बल पर उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित प्रतिष्ठित रियलिटी शो 'इंडियाज टैलेंट फाइट' में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे शोहरतगढ़ क्षेत्र का नाम रोशन किया है।गोविंद चौहान की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान तथा प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि गोविंद चौहान ने अपनी गायकी के माध्यम से शोहरतगढ़ तहसील और सिद्धार्थनगर जनपद को राष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है।

बताया गया कि हरिद्वार में आयोजित दो दिवसीय इस गायन प्रतियोगिता का आयोजन प्रसिद्ध म्यूजिक डायरेक्टर अनु मलिक द्वारा किया गया था, जिसमें देशभर से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोविंद चौहान को पंजाब के प्रसिद्ध गायक राजा द्वारा गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. सुशांत जायसवाल ने कहा कि गोविंद चौहान ने अपनी मधुर गायकी से गांव की मिट्टी की खुशबू को उत्तराखंड तक पहुंचाया है, जिससे पूरा सिद्धार्थनगर जिला गौरवान्वित हुआ है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह कार्यक्रम शीघ्र ही हंगामा टीवी चैनल पर प्रसारित किया जाएगा।गोल्ड मेडल जीतने की खुशी में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मेजर सिंह चौहान, अजय श्रीवास्तव, शरदेंदु त्रिपाठी, चिंटू, इंद्रजीत, उमेश गौड़, राजकुमार, अशोक दूबे सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने गोविंद चौहान को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुलिस द्वारा गुमशुदा हुई बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया सुपूर्द

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में, विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में जितेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष मोहाना के नेतृत्व में थाना स्थानीय पर सूचना प्राप्त हुआ कि आज दिनांक 02/01/2026 को समय करीब 16:40 बजे सूचना मिली कि एक बच्ची गुम होके कस्बा ककरहवा में घूम रही है व रो रही है । इस सूचना पर तत्काल चौकी इंचार्ज ककरहवा थाना मोहाना मय फोर्स द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए बच्ची के बारे में पता किया गया तो पता चला कि बच्ची का नाम अंशी पुत्र आकाश वर्मा उम्र करीब 04 वर्ष ग्राम दूल्हा शुमाली टोला ककरहवा की रहने वाली है । बच्ची के पिता को बुला कर के बच्ची को उसके पिता को सुपुर्द किया गया । परिजनों द्वारा थाना मोहाना पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा की गई और धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

एमसीएफ ने दिसम्बर, 2025 में नया कीर्तिमान हासिल किया

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (एमसीएफ) रायबरेली ने दिसंबर 2025 में उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। एमसीएफ ने, न केवल मासिक बल्कि दिसंबर तक के समग्र गेटआउट एवं आउटटर्न में भी नए कीर्तिमान स्थापित कर भारतीय रेल के उत्पादन मानकों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। दिसंबर 2025 में एमसीएफ ने अब तक का सर्वाधिक मासिक 212 कोच गेटआउट किया है। जबकि इससे पूर्व दिसंबर 2024 में सर्वश्रेष्ठ मासिक गेटआउट 150 कोच था। इसके साथ ही 2025-26 की तीसरी तिमाही तक कुल गेटआउट 1469 कोच रहा, जो कि दिसंबर 2024 के समान अवधि में हुए 1223 कोच से 20इ अधिक है।

एमसीएफ के जीएम प्रशांत कुमार मिश्र ने बताया, कि दिसंबर 2025 तक कुल 1454 कोच का उत्पादन किया गया, जो कि इससे पहले उच्चतम उत्पादन वर्ष 2019 में 1402 कोच तथा वर्ष 2024 में 1394 कोच था। इसी प्रकार एमसीएफ ने तीसरी तिमाही तक अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड उत्पादन आरेडिका की पूरी टीम के समर्पण, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह टीमवर्क दक्षता और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एमसीएफ भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ नए मानक स्थापित करता रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने नववर्ष 2026 की सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाए दिया।

पार्वती अस्पताल चौराहे के नाम आब पूर्व सांसद के नाम पर हुआ चौराहा, लोकार्पण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अब तक पार्वती अस्पताल चौराहे के नाम से चर्चित रहा चौराहा अब पूर्व सांसद श्यामा चरण गुप्ता के नाम से जाना जाएगा। शुक्रवार को चौराहे का लोकार्पण कर दिया गया। आज नगर निगम के पूर्व महापौर व पूर्व सांसद स्वर्गीय श्यामाचरण गुप्ता के नाम पर श्याम ग्रुप कार्यालय के पास स्थित चौराहा का नामकरण व लोकार्पण एक भव्य कार्यक्रम में नगर निगम के महापौर उमेशचन्द्र गणेश केशरवानी के कर कमलों द्वारा किया गया।

उद्घाटन करते हुए महापौर गणेश केशरवानी ने कहा कि स्वर्गीय श्यामाचरण गुप्ता जी का सपना प्रयागराज के गौरव के आधार पर प्राचीन संस्कृति से जोड़ते हुए आधुनिक बनाना था और आज नगर निगम द्वारा प्रयागराज को गौरवशाली बनाने का काम हो रहा है, यह सब उनकी प्रेरणा से ही हो रहा है।

कार्यक्रम में आए हुए सम्मानित अतिथियों का माल्यार्पण और शाल भेंट करके श्यामाचरण गुप्ता जी की धर्मपत्नी श्रीमती जमुनोत्री गुप्ता व श्याम ग्रुप के विदुप अग्रहरि ने किया।

इस अवसर पर उपस्थित व्यापारी नेता विजय गुप्ता ने बताया कि लोकार्पण समारोह में पूर्व सांसद डाक्टर रीता बहुगुणा जोशी, श्रीमती केशरी देवी पटेल ने स्वर्गीय गुप्ता जी जिला पंचायत अध्यक्ष अमेठी राजेश अग्रहरि डॉ वेद.पी. श्रीवास्तव, एम एल सी संजय गुप्ता, पूर्व विधायक उदयभान करवरिया, नीरज त्रिपाठी पूर्व महाधिवक्ता विकास गुप्ता विधायक सुधीर हलवासिया, प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन संजय गुप्ता, जिलाध्यक्ष अवधेश गुप्ता, काशी प्रांत उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता आर्य इंटर कॉलेज प्रबंधन, पूर्व विधायक कलेक्टर पांडे सभी ने कहा कि प्रयागराज में विकास के साथ युवाओं के रोजगार के लिए किए गये कार्यों की सराहना करते हुए श्रद्धाँजलि अर्पित की, कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ प्रताप सिंह ने किया।

इस लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सर्वश्री विभव अग्रहरि, दीपिका अग्रहरि, प्रमिल केसरवानी, दिग्विजय अग्रहरि, सतीश चंद केसरवानी, राकेश सिंह, अन्नू भैया, शिव कुमार वैश्य, शारदा अग्रहरि, कुल भास्कर अग्रहरि, लल्लू लाल कुशवाहा, शिव सेवक सिंह, आनन्द घिडियल्स, भोला तिवारी, नेम यादव, नीरज गुप्ता, किरण जायसवाल, गुलाब चमार, अश्वनी जैन, गिरी बाबा, संजय सिंह, डॉ बी के सिंह, रईस चंद शुक्ला, प्रवीण मालवीय, सुनील अग्रहरि, प्रमोद गुप्ता, धर्मेंद्र अग्रहरि, संजय अग्रहरि आदि ने भी श्रद्धाँजलि अर्पित की।

खेलो प्रयागराज महापौर कप : भाजपा प्रयागराज महानगर 11 की टीम ने महापौर 11 की टीम को हराकर बना विजयी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। खेलो प्रयागराज महापौर का कप टूर्नामेंट का आयोजन खेल गांव पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें चार टीमों ने प्रतिभाग किया। ग्रुप ए में प्रथम मुकाबला मीडिया 11 तथा भाजपा महानगर प्रयागराज 11 के मध्य हुआ जिसमें भाजपा महानगर की टीम ने मीडिया 11 की टीम को 10 विकेट से परास्त किया। पहले खेलते हुए मीडिया 11 की टीम ने 10 ओवर में 95 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए कप्तान संजय गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा महानगर प्रयागराज 11 की टीम ने यह लक्ष्य बिना कोई विकेट खोए तीन ओवर दो गेंद में प्राप्त कर लिया। दूसरे ग्रुप का मैच महापौर 11 तथा नगर आयुक्त 11 के मध्य खेला गया। पहले खेलते हुए महापौर 11 की टीम में 10 ओवर में 122 रन बनाए इसका पीछा करते हुए नगर आयुक्त 11 की टीम 87 रन पर ही सिमट कर रह गई।

फाइनल मैच प्रयागराज भाजपा महानगर 11 तथा महापौर 11 के मध्य खेला गया। टॉस जीत कर कप्तान गणेश केशरवानी के नेतृत्व में पहले खेलते हुए महापौर 11 की टीम ने 8 ओवर में 85 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए भाजपा महानगर प्रयागराज 11 की टीम ने चार ओवर चार गेंद पर यह लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया।

सुधांशु त्रिपाठी मैन ऑफ द मैच घोषित किए गए जिन्होंने 12 गेंद पर शानदार 50 रन बनाये। मैन ऑफ़ द सीरीज गौरव सिंह को मिला जिन्होंने दोनों पारियों में 72 रन बनाए तथा 7 विकेट लिए।

आज मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, महापौर उमेश चंद गणेश केसरवानी, अभिन्न श्याम गुप्ता व अन्य खिलाड़ियों द्वारा प्रयागराज महानगर भाजपा 11 की टीम के कप्तान संजय गुप्ता व अन्य टीम को ट्रॉफी दी गई।

प्रयागराज महानगर 11 के कप्तान संजय गुप्ता ने कहा कि यह सफलता संपूर्ण टीम की प्रदर्शन को जाता है सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भाजपा महानगर प्रयागराज 11 टीम की तरफ से सांसद प्रवीण पटेल, अरुण पटेल ने भी बल्लेबाव गेंदबामें शानदार प्रदर्शन किया।

कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति : पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम

प्रमुख संत, महात्मा पहुंचे शिविर, आज करेगे स्नान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला में लम्बे समय से रहकर कल्पवास करने वाले प्रमुख संत, महात्मा मेला क्षेत्र में लगे अपने शिविर में पहुंच गये है जो माघी पूर्णिमा तक रहते हुए कल्पवास करेगे। पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम (शास्त्री स्वामी) श्रृंगवेरपुर धाम ने कहा कि माघ मास में तीर्थराज प्रयागराज मे कल्पवास करते हुए कथा श्रवण करने, दान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

माघ मेला में कल्पवास के लिए जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती, जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज, जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी महेशाश्रम महराज, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज, राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी शंकराश्रम महराज, पीठाधीश्वर स्वामी रामाश्रम (शास्त्री स्वामी) श्रृंगवेरपुर धाम, जगदगुरू स्वामी घनश्यामाचार्य महराज, जगदगुरू स्वामी डा कौशलेन्द्र महराज, नारायणाचार्य स्वामी शाडिल्य महराज, जगदगुरू स्वामी कुलशेखराचार्य महराज, जगदगुरू संतोषाचार्य महराज सतुआ बाबा, महामण्डलेश्वर स्वामी रामसंतोष दास, महामण्डलेश्वर स्वामी रामतीर्थ दास महराज, महामण्डलेश्वर स्वामी गोपालदास महराज, डा राधाचार्या, प्रसिद्ध कथावाचक राधिका वैष्णव सहित अन्य प्रमुख संत, महात्मा और कथावाचक है।

बीएसए ने वरिष्ठ अधिकारियों को नव वर्ष पर दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बीएसए अनिल कुमार ने नववर्ष पर आज एडी बेसिक (शिक्षानिदेशालय) कामता राम पाल और वरिष्ठ सलाहकार रामचेत को उप्र शिक्षा निदेशालय प्रयागराज में बुके देकर नव वर्ष की बधाई दिया। उन्होंने कहा कि यह द्वय अफसर हमारे संरक्षक और पथ प्रदर्शक है इसलिए इनसे आशीर्वाद लेना जरूरी है। एडी बेसिक (शिक्षानिदेशालय) कामता राम पाल और वरिष्ठ सलाहकार रामचेत ने भी बीएसए को नव वर्ष की बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।

पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्माश्रम महराज, पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम ने भी जताई नाराजगी

शाहरुख खान देशद्रोही, देश से निकाला जाए : स्वामी महेशाश्रम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बांग्लादेश में जहां लगातार हिंदुओं का उत्पीड़न और हत्याएं हो रही हैं। वहीं बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान ने आईपीएल में बांग्लादेशी क्रिकेटर रहमान को आईपीएल की नीलामी में 9 करोड़ से ज्यादा की बोली लगाकर खरीदने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले को लेकर देशभर में अभिनेता शाहरुख़ खान का लगातार विरोध हो रहा है। कथावाचकों से लेकर साधु संतों तक ने शाहरुख खान के इस कदम का विरोध किया है। इस बीच संगम की रेती पर माघ मेला भी आयोजित हो रहा है। माघ मेले में आए साधु संतों ने भी शाहरुख खान का कड़ा विरोध किया है। साधु, संतों ने शाहरुख खान को देशद्रोही करार दिया है। साधु, संतों ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर शाहरुख खान ने कोई बयान नहीं दिया लेकिन बांग्लादेशी क्रिकेटर रहमान को अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल कर लोगों की जन भावनाओं का अपमान किया है। साधु, संतों ने कहा है कि हिंदुओं को शाहरुख खान की फिल्में देखना बंद करना चाहिए। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के संरक्षक जगदगुरू शंकराचार्य

स्वामी महेशाश्रम महाराज ने कहा है कि शाहरुख खान देशद्रोही है, उसे देश से बाहर कर देना चाहिए। वहीं अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी ब्रह्माश्रम महाराज ने शाहरुख खान की फिल्मों का बहिष्कार किए जाने की मांग की है जबकि दंडी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महाराज ने बीसीसीआई के अध्यक्ष जय शाह से आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स को बाहर करने और टीम पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो किसी भी हिंदू को कोलकाता नाइट राइडर्स के क्रिकेट मैच के टिकट नहीं खरीदने चाहिए। और लोगों को कोलकाता नाइट राइडर्स की आईपीएल टीम का ही बहिष्कार कर देना चाहिए।

योग, ध्यान, यज्ञ, भक्ति संगीत, गंगा आरती, सत्संग और विभिन्न आध्यात्मिक गतिविधियों का आयोजन

विश्व के अनेक देशों से आये प्रतिभागी ले रहे आध्यात्मिक विधाओं का आनन्द

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आयोजित पाँच दिवसीय न्यू ईयर रिट्रीट एक आध्यात्मिक आह्वान है। यह रिट्रीट उस क्षण का साक्षी है जब नया वर्ष घड़ी की सुइयों से नहीं, बल्कि चेतना के जागरण से आरंभ होता है। हिमालय की गोद में, माँ गंगा के पावन तट पर, यह आयोजन मानव जीवन को उसके मूल उद्देश्य, शांति, संतुलन और करुणा से पुनः जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

इस पाँच दिवसीय रिट्रीट में योग, ध्यान, वैदिक यज्ञ, भक्ति संगीत, दिव्य गंगा आरती, प्रेरक सत्संग और विविध आध्यात्मिक गतिविधियों का समन्वित आयोजन किया गया। वरिष्ठ योगाचार्यों के विशेष मार्गदर्शन में प्रत्येक सत्र केवल अभ्यास नहीं, बल्कि अनुभव है, ऐसा अनुभव जो प्रतिभागियों को बाहरी शोर से निकालकर भीतर की शांति से साक्षात्कार कराता है। प्रातःकालीन योग और ध्यान सत्रों ने शरीर, मन और प्राण के संतुलन को साधा, वहीं वैदिक मंत्रों के साथ सम्पन्न यज्ञ ने वातावरण को ऊर्जा, पवित्रता और सकारात्मकता से ओतप्रोत कर दिया।

पूज्य साध्वी भगवती सरस्वती ने कहा कि नया वर्ष आत्मा से जुड़ने का निमंत्रण है। आज की तेज रफ्तार दुनिया में शांति, विलास का माध्यम नहीं, बल्कि आवश्यकता है। योग और ध्यान हमें वर्तमान में जीना सिखाते हैं, जबकि भक्ति हमें अहंकार से मुक्त कर प्रेम की ओर ले जाती है। इस नववर्ष में स्वयं को समय दें, मौन को अपनाएँ और प्रकृति का सम्मान करें। जब हम अपने भीतर प्रकाश जगाते हैं, तभी हम विश्व में शांति और करुणा का दीप जला सकते हैं।

सत्संग सत्रों में जीवन के गूढ़ प्रश्नों, तनाव, भय, क्रोध, उद्देश्यहीनता और आंतरिक रिक्तता, पर गहन मंथन हुआ। आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों के बीच सनातन मूल्यों की प्रासंगिकता को अत्यंत सरल, व्यावहारिक और प्रेरक रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागियों को यह बोध कराया गया कि अध्यात्म संसार से पलायन नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए संतुलित, सजग और करुणामय जीवन जीने की कला है।

यहाँ हर गतिविधि आत्ममंथन को प्रेरित करती है। कई प्रतिभागियों ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने यहाँ केवल योग या ध्यान नहीं सीखा, बल्कि 'जीने का नया दृष्टिकोण' पाया। किसी के लिए यह रिट्रीट मानसिक शांति का द्वार बना, तो किसी के लिए जीवन में दिशा और उद्देश्य प्रदान करने वाला है। परमार्थ निकेतन का यह पाँच दिवसीय न्यू ईयर रिट्रीट आज के अशांत, असंतुलित और तीव्र गति वाले विश्व में एक आध्यात्मिक प्रकाश-स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आया है।

भूरा मठ में अन्नक्षेत्र और वस्त्र का वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सेक्टर छह स्थित डूंग महाराज संस्थान (भूरा मठ) में अनवरत अन्नक्षेत्र का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा संत समाज को गर्म कपड़ों का वितरण किया जा रहा है।

मठ के व्यवस्थापक आचार्य आदर्श मिश्र और निखिल ने बताया कि दंडी स्वामी समाज के प्रवक्ता विद्यामार्तंड अरविंद स्वामी जोशी के निर्देशन में प्रतिदिन हजारों लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाता है। इसके अलावा पक्षियों को दाना खिलाया जाता है। पिछले 134 वर्षों से माघ मास में संगम की रेतीली धरती पर संत समाज के बीच राशन और गर्म वस्त्र वितरित किया जाता है। भूरा मठ की तरफ से दंडी स्वामी नगर के शिविरों में भी लगातार धर्मार्थ कार्यों के लिए राशन पहुंचाया जा रहा है। अरविंद स्वामी ने बताया कि मठ का मकसद स्पष्ट है कि सनातन संस्कृति को वैश्विक पटल पर नित नई पहचान मिले।

प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव ने यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद प्रयागराज के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव ने यांत्रिक अभियांत्रिकी (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। वे एक अनुभवी शिक्षाविद् हैं और शिक्षण के क्षेत्र में उनके पास लगभग 36 वर्षों का समृद्ध अनुभव है। अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने पिछले चार दशकों की विभिन्न शिक्षा प्रणालियों के साथ कार्य किया है, जिससे उन्हें शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सुधारों का अच्छा अनुभव है।

पिछले चार वर्षों में प्रो. श्रीवास्तव ने संस्थान में मुख्य वार्डन तथा डीन, छात्र कल्याण जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। डीन, छात्र कल्याण के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आध्यात्मिक एवं मानसिक कल्याण केंद्र की स्थापना की। डिजिटल युग में बढ़ते मानसिक दबाव को कम करने की दिशा में यह पहल छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने 'जिज्ञासा क्लब' की शुरुआत की, जिसके माध्यम से छात्र-मेंटर प्रणाली द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के अध्ययन और शिक्षण को प्रोत्साहित किया गया। यह पहल छात्रों में नैतिक मूल्यों, आत्मअनुशासन और जीवन-दृष्टि के विकास में सहायक रही।

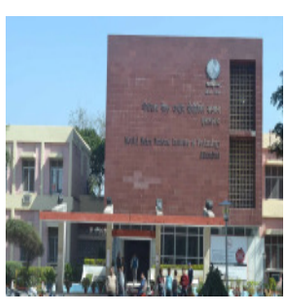

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्मयोगी पोर्टल की परिकल्पना से प्रेरित होकर, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की टीम शिक्षा सुधारों को नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी सेमेस्टर में छात्रों को परामर्श दिया जाएगा कि वे अपनी आंतरिक शक्ति के विकास हेतु हमारे प्राचीन ग्रंथों जैसे श्रीमद्भगवद्गीता, श्रीरामचरितमानस एवं श्रीमद्भागवतम् का अध्ययन आधुनिक डिजिटल तकनीकों के साथ करें।

डिजिटल डिटॉक्सिफिकेशन आज की सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी है, जिसे कर्मयोगी सिद्धांतों के माध्यम से संतुलित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पहल नई पीढ़ी के छात्रों में मानसिक संतुलन, एकाग्रता और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करेगी तथा उन्हें भारत 2047 के राष्ट्र निर्माण के लिए अधिक सक्षम बनाएगी।

माघ मेला क्षेत्र में भूमि न मिलने पर भड़के पुरोहित, आंदोलन की चेतावनी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेले में जमीन आवंटन को लेकर तीर्थ पुरोहितों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और उन्होंने मेला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान कर दिया है। प्रयागवाल सभा के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय ने बताया कि अधिकारियों ने उनसे प्रयागवाल नगर बसाने और पहचान पत्र देने जैसे बड़े-बड़े वादे किए थे लेकिन हकीकत में उन्हें अब तक जगह नहीं मिली है।

इसी नाराजगी के चलते पुरोहितों ने फैसला किया है कि पहले स्नान पर्व के बाद 5 जनवरी को वे मेला प्राधिकरण कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने साफ अल्टीमेटम दिया है कि अगर 5 तारीख तक 151 आवेदकों को जमीन और पहचान पत्र नहीं मिले तो शाम सात बजे सभी मिलकर दफ्तर का घेराव करेंगे।

पुरोहितों का आरोप है कि प्रशासन दोहरा रवैया अपना रहा है क्योंकि संतों को तो सारी सुविधाएं दी जा रही हैं लेकिन नई संस्थाओं और पुरोहितों की अनदेखी हो रही है। उनका कहना है कि जब तक प्रशासन अपना वादा नहीं निभाता वे शांत नहीं बैठेंगे और अपने हक की यह लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेंगे।

कठौली में दिव्यांग, विधवा व असहायों को कंबल वितरण

जरूरतमंदों के साथ खड़ी है प्रयाग उत्थान समिति : डॉ. उदय प्रताप सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। काशी प्रसाद सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज, कठौली, मेजा रोड में प्रयाग उत्थान समिति के तत्वावधान में दिव्यांग, विधवा एवं असहाय लोगों को कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रयाग उत्थान समिति का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा, 'समिति का प्रयास है कि कोई भी गरीब और जरूरतमंद ठंड, भूख या अभाव के कारण परेशान न हो। मानव सेवा ही हमारा धर्म है और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के सुख-दुख में प्रयाग उत्थान समिति हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी।'

कार्यक्रम में समिति के महासचिव अभिषेक सी. सिंह एवं डॉ. अनुराग सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व प्रधान कठौली हेमंत शर्मा, माधो प्रसाद मिश्र, जितेंद्र शर्मा, जय प्रकाश, दया शंकर गौतम, शीतला यादव, रमेश शर्मा, गिरजा शर्मा, कृपा शंकर पांडेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक अजीत सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. उदय प्रताप सिंह एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सम्पादकीय

सबसे स्वच्छ शहर में जहरीला पानी, इंदौर ने फिर याद दिलाया तमगे नहीं, जान ज्यादा जरूरी

वह अपने आप में विचित्र और अफसोसनाक है कि जिस शहर को पिछले कई वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा मिल रहा हो, वहां दूषित पेयजल के सेवन से लोगों के मरने की खबरें आती हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से कई लोगों की मौत हो गई और करीब दो सौ लोगों को अस्पताल भर्ती होना पड़ा। खबरों के मुताबिक, भागीरथपुरा में नर्मदा नदी की पाइपलाइन में गंदा पानी मिल गया, जिससे पानी दूषित हो गया। लोगों ने इस पानी का सेवन शायद इसलिए भी कर लिया कि साफ और गंदे पानी में फर्क करना मुश्किल हो गया था।

सवाल है कि अगर आम लोग पेयजल के लिए पानी की आपूर्ति पर निर्भर हों, तो उनके पास गंदा और दूषित पानी पहुंचने की जिम्मेदारी किसकी है। लोगों की मौत के मामले के तूल पकड़ने के बाद सरकार ने गलती मानते हुए आनन-फानन में कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही, लेकिन यह साफ है कि संबंधित महकमों की नींद तभी खुलती है, जब कोई बड़ा नुकसान हो चुका होता है।

यों, देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है, लेकिन ऐसा लगता है कि आम लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है और इस क्रम में उनकी सेहत के साथ क्या होता है, इसकी परवाह शायद किसी को नहीं है। खबरों के मुताबिक, दूषित पेयजल की मार से प्रभावित इलाके में स्थानीय लोगों ने पिछले डेढ़ वर्ष से इससे होने वाली परेशानी और शिकायत के बावजूद सुनवाई न होने की बात कही। मगर सरकार के कामकाज की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पेयजल में दूषित पानी मिलने के बाद जब लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी, तब भी अगले कई दिन तक इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

इसके अलावा, पीने के पानी के पाइप लाइन से अलग गंदे पानी के निकासी की लाइन को सुरक्षित मानकों तक दूर रखने की व्यवस्था नहीं की गई, तो इसकी क्या वजह हो सकती है? क्या यह सिर्फ अक्षम अधिकारियों की अदूरदर्शिता का मामला है या फिर जानबूझ कर की गई अनदेखी का? इस तरह की लापरवाही का इलाज सिर्फ कुछ औपचारिक कदम नहीं हैं, बल्कि इसके लिए सभी स्तर पर सजगता और जिम्मेदारी की जरूरत है।

विडंबना यह है कि सरकार का मकसद प्रचार के लिए किसी शहर की स्वच्छता के तमगे हासिल करना रह गया लगता है। सबसे स्वच्छ शहर कहे जाने वाले इंदौर में अगर कुछ लोगों को जहरीला पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा, तो इस विरोधाभासी हकीकत की पड़ताल करने की जरूरत है कि ऐसे तमगे जारी किए जाने के पैमाने क्या हैं? पीने का पानी सबसे बुनियादी जरूरत है, जिसके बिना ज्यादा वक्त तक नहीं रहा जा सकता।

सरकार देश भर में हर घर नल से जल पहुंचाने की योजना के तहत सबको स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने का दावा करती है। मगर इस दावे की हकीकत अक्सर सामने आती रहती है, जब किसी इलाके में भूजल सूख जाने तो कहीं पीने के पानी के लिए लोगों के जद्दोजहद करने की खबरें आती हैं। जहां पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था है भी, अगर वहां यह सेहत पर जोखिम से लेकर जानलेवा होने तक के खतरे से बची नहीं है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। यह समझना मुश्किल है कि कमियों पर ध्यान देने और पेयजल के पाइप लाइन के सुरक्षित होने की निगरानी नियमित जवाबदेही में शामिल क्यों नहीं होती, ताकि ऐसी त्रासदी से बचा जा सके।

वोट बैंक का लालच बना है पर्यावरण विनाश का कारण

वोट बैंक का लालच सत्तारुढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता–परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान–माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3, 554 लोगों की जान गई, 5, 948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाजुक भूभाग पर हर साल एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धारली में आई भीषण बाढ़ में

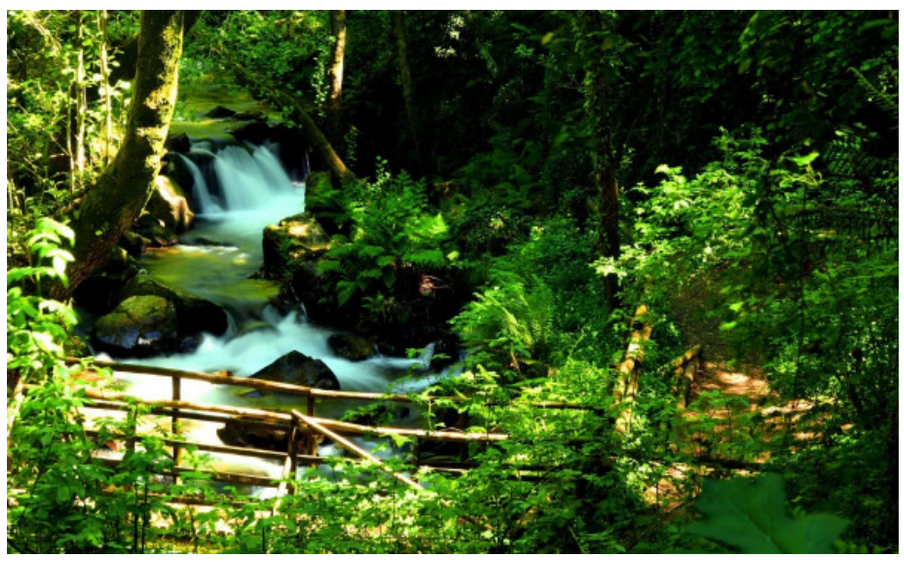

5, 948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ।

उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, 'देवभूमि' (देवताओं की भूमि) प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही उत्तरकाशी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता।

एक समय उत्तराखंड के ऊंचे और हिमालयी क्षेत्र - विशेष रूप से समुद्र तल से 2, 000 मीटर से ऊपर के इलाके - देवदार के घने जंगलों से आच्छादित थे। प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 400 से 500 देवदार के पेड़ पाए जाते थे। वन, जो प्राकृतिक ढलानों को स्थिर रखते हैं, उनकी कमी से जल निकासी बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होता है, जिससे आपदाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पेड़-पौधे मिट्टी को जकड़कर रखते हैं। जब पेड़ कटते हैं, तो मिट्टी ढीली पड़ जाती है और भारी बारिश के दौरान आसानी से बह जाती है, जिससे भूस्खलन और मलबा प्रवाह होता है, जैसा कि 2013 के केदारनाथ आपदा में देखा गया था।

5 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में आई विनाशकारी आपदा ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति हिमालयी राज्य की दीर्घकालिक संवेदनशीलता को उजागर कर दिया था। इस त्रासदी में 66 लोग लापता हुए। पिछले एक दशक में राज्य में लगभग 18, 464 प्राकृतिक आपदाएँ दर्ज की गई, जिनसे भारी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड का इतिहास कई बड़ी आपदाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में 768 लोगों की जान गई, उसके बाद 1998 के मालपा भूस्खलन (225 मौतें) और 1999 के चमोली भूकंप (100 मौतें) का नंबर आता है। साल 2013 की केदारनाथ बाढ़ सबसे विनाशकारी रही, जिसमें 5, 700 से अधिक लोगों की जान गई, जबकि 2021 की रेनी आपदा में मरने वालों की संख्या में 206 रही। पिछले एक दशक में दर्ज की गई 18, 464 घटनाओं में से चौंका देने वाली 12, 758 घटनाएं भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ के कारण हुईं।

भारत में 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार, 13, 000 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा वन भूमि पर अतिक्रमण है, जो कि दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल क्षेत्रफल से भी ज़्यादा है। मध्य प्रदेश और असम सबसे ज़्यादा प्रभावित राज्य हैं, जहाँ लाखों हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भी बड़ी मात्रा में वन भूमि अतिक्रमित है। जिससे वन, वन्यजीव और पर्यावरण को गंभीर खतरा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा देश भर में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में जारी आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर सर्वाधिक अतिक्रमण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश और असम सबसे आगे हैं, जहाँ सबसे ज़्यादा वन क्षेत्र पर अवैध कब्जे हैं। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे राज्य भी महत्वपूर्ण अतिक्रमण वाले राज्यों की सूची में शामिल हैं।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी एक रिपोर्ट में बताया था कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13, 05, 668.1 हेक्टेयर (या 13, 056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अंतर्गत था। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर और दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं।

इसके अलावा बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख ऐसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं जिन्होंने वन अतक्रिमण से संबंधित आंकड़े और विवरण प्रस्तुत नहीं किए। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की सरकारें पर्यावरण और वनों के विनाश को रोकने के लिए कितनी चिंतित हैं। यह मुद्दा राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं है। कारण साफ है इससे वोट नहीं मिलते, उल्टे वन भूमि पर अतिक्रमियों को हटाने से वोट बैंक का नुकसान होता है। यही वजह है कि सभी दल ऐसे मुद्दों पर चुप्पी साधे रहते हैं। इसके बावजूद कि पर्यावरण बिगड़ने से होने वाली तबाही की कीमत देश को हर साल भारी जान–माल से चुकानी पड़ती है।

एक और साल बना इतिहास, यादों की गठरी के साथ समय ने फिर सिखाया- जीवन कभी ठहरता नहीं

अभिनंदन और विदाई- ये सब जीवन यात्रा के अभिन्न अंग है। जनवरी से दिसंबर के महीने के बीच जो भी घटित होता है, चाहे वह सामाजिक हो, आर्थिक हो, घर-परिवार, देश-विदेश से लेकर सृजन साहित्य तक, वह सब समय के साथ अपनी अवधि के भीतर घटित होकर अपने पद चिह्न मन-मस्तिष्क पर छोड़ जाता है। अमूमन हर बीता वर्ष इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होता है। हर बार के आकलन में हम गौर करते हैं कि वैश्विक पटल पर कई घटनाक्रम हुए, जो सब कुछ समय के साथ अपना निर्धारित स्थान इस वर्ष में दर्ज करवा कर इस वर्ष में स्थायी हो गए। खेल, साहित्य, शिक्षा और तकनीक में कई उपलब्धियों ने हमें समृद्ध किया और हम सबका गौरव बढ़ाया। व्यक्तिगत संदर्भों में कई मित्र जुड़े, कई बिछड़ गए। यह जीवन का हिस्सा रहा। समय का अभाव कहें या परिस्थितियां, सबके साथ हम चलते रहे। हम सब अपने भीतर झांक सकते हैं कि इस सबके बीच कई बार द्वंद्व रहा, उलझनें रहीं तथा समस्याएं और समाधान साथ-साथ चलते रहे।

समय की धारा में हम सब बहते चले जाते हैं, क्योंकि समय बलवान होता है। समय को हम चाह कर भी पकड़ नहीं पाते। बल्कि यों कहें कि नहीं पकड़ सकते। समय अदृश्य है, पर चलता रहता है अनवरत। यों भी, यह किसी के रोके कभी रुका है क्या? रोकने की कोशिश करने वाले लोग रुक गए, लेकिन समय चलता रहा। हम समय के अभाव का रोना रोते रहते है और समय अपनी निर्धारित सीमा में अपनी चाल चलता रहता है। गांव, शहर, गलियां, व्यक्ति आदि जाने क्या-क्या अपने नवीन संदर्भों के साथ जुड़ते और छूटते चले जाते हैं। हम चुपचाप समय के साथ अपने दिन व्यतीत करते जाते हैं। समय की धारा में हर्ष, विषाद, सम्मान, पुरस्कार, अभिनंदन, सफलताएं, असफलताएंष्ठ और भी न जाने क्या हमारे जीवन का हिस्सा बन कर कभी हमें आनंद के सागर में डुबो देते हैं और कभी निराशा हमारा दामन पकड़ कर पीछे खींचती है। मगर हमारा आत्मविश्वास हमें समय के साथ कदमताल मिलाता आगे ले जाता है।

यही आत्मविश्वास मन के भीतर ऊर्जा, उत्साह, उमंग का संचार करता है। एक नई सुबह रोज बांह पसारे सुंदर मुस्कान के साथ हमारा स्वागत करती है। हम पिछला सब कुछ भूल कर फिर से नए दिन के सूरज के साथ अपने कार्यों में तल्लीनता से संलग्न हो जाते हैं। यही हमें जीवंत बनाए रखता है। बीते वर्ष के दिसंबर ने अब हमसे विदाई ले ली है। जैसे-जैसे हम चिंतन करते हैं इस तरह की विदाई के बारे में, अचानक हम सबके मुंह मन अनेक बार विपरीत परिस्थितियों में व्याकुल हुआष्ठ आंखें नम हुईं। क्या यही सब फिर से इस वर्ष हमारे जीवन में नहीं दुहराएगा?

से निकलता है कि पिछले दिसंबर के बाद भी नया साल आया था और अब फिर यह पूरा हो गया। नया वर्ष अपनी नवीन रूपरेखा, नवीन गतिविधियों उपलब्धियों के साथ दस्तक दे चुका है। पता ही नहीं चला कि बीता वर्ष भी कैसे चुपके से बीत गया। बहुत कुछ नया जुड़ा, बहुत कुछ पुराना पीछे छूट गया। कई सुखद क्षणों में आनंददायी पलों को जिया और कभी दरअसल, ये सब जीवन के अहम हिस्से हैं। इनके सहारे ही जीवन समय के साथ गतिमान रहता है। जीवन चलने का नाम है। महाकवि जयशंकर प्रसाद ने कामायनी में लिखा है- 'दुख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात, एक परदा नीला झीन छिपाए है जिसमें सुख गात।' वक्त के साथ हम सब पिछले बीत चुके महीनों का हिसाब-किताब उम्मीद खिल जाती है, तो कभी भय का साया मंडराने लगता है कि क्या दर्द का सिलसिला कायम रहेगा। फिर भी समय तो समय है, जैसा भी हो बीत ही जाता है। समय सब कुछ भर देता है।

सुख-दुख जीवन के दो पहलू हैं, जिनके साथ हम सबको अपनी-अपनी भूमिकाएं निभानी पड़ती है। समय किसी के रोकने से नहीं रुकता, जैसे देखते-देखते पिछला वर्ष बीत गया और अब नए वर्ष का सफर शुरू हो चुका है। कितना कुछ पीछे छूट जाता है। हम सब स्मरण करते हैं कि कल की ही तो बात है कि हमने इस वर्ष के स्वागत के लिए पलक-पांवड़े बिछाए थे। अब वह भी चला गया। हम फिर नव ऊर्जा के साथ तैयार हो जाते हैं नववर्ष के स्वागत अभिनंदन के लिए और बीते वर्ष को विदाई देने। यही सृष्टि का नियम भी है।

नूतनता सदैव वंदनीय अभिनंदनीय होती है। जीवन के विविध क्षेत्रों में जहां हमारी उपस्थिति है, वह सब बीते वर्ष के बही खाते में दर्ज हो जाता है। इसके बाद तो कैलेंडर के पन्ने और तिथियां बदल जाती हैं। कभी-कभी ऐसा अहसास होता है कि कितनी तेजी से समय भाग रहा है। एक वर्ष जीवन का और बीत चला अपने पीछे कितने स्मृति-चिह्न छोड़ता हुआ। कितना कुछ रह-रहकर याद आता है लोगों के साथ बिताया गया समय। वे खिलखिलाते चेहरे, वे शहर, वे जगहें, जहां हम घूमने या किसी विशेष कारण से गए, वे यात्राएं, यात्राओं के सहयात्री, यात्राओं के अविस्मरणीय पल..! कुछ भी भूल नहीं पाते, भले ही पुराना साल बीत गया हो। समय की अपनी अवधि और सीमाएं- इन सबके बीच संघर्षशील व्यक्ति गतिमान रहता है।

अरावली पर रोक बरकरार, फिर भी सवाल बाकी- क्या कागजों में सिमट जाएगा संरक्षण?

अरावली पर्वत श्रृंखला एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। इस बार बहस का कारण केवल खनन नहीं, बल्कि वह नई न्यायिक स्थिति है जो सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद बनी है। न्यायालय ने बीते 20 नवंबर के अपने आदेश पर रोक लगाते हुए यह स्पष्ट किया है कि 21 जनवरी 2026 तक अरावली क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध जारी रहेगा। इसके साथ ही एक नई उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है, जो पहले से नियुक्त समिति की रपट तथा न्यायालय की टिप्पणियों का स्वतंत्र और निष्पक्ष मूल्यांकन करेगी।

न्यायालय ने यह भी कहा है कि पिछली सिफारिशें और उन पर आधारित उसकी टिप्पणियां फिलहाल स्थगित रहेंगी और अगली सुनवाई तक लागू नहीं की जाएंगी। पहली नजर में यह निर्णय सावधानी भरा, संतुलित और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विचारणीय कदम प्रतीत होता है। न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि कोई भी व्यवस्था लागू होने से पहले उसका वैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी परीक्षण अवश्य हो।

फिर भी यह सवाल कायम है कि इतनी स्पष्टता के बाद भी अरावली पर विवाद और विरोध क्यों जारी है। इसका उत्तर उस गहरी दूरी में छिपा है जो नीति के इरादों और उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच बनी रहती है। कई लोगों को डर है कि यदि निगरानी और प्रवर्तन कमजोर रहा, तो कोई भी नई व्यवस्था केवल कागजों में सुशोभित होकर रह जाएगी, जबकि जमीन पर पुराने ढर्रे ही चलते रहेंगे।

अरावली कोई साधारण पर्वत श्रृंखला नहीं है। यह भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक है, जिसकी उम्र लगभग दो अरब वर्ष आंकी जाती है। दिल्ली से गुजरात तक लगभग 650 किलोमीटर में फैली यह श्रृंखला उत्तर भारत के पर्यावरणीय संतुलन की रीढ़ रही है। यह थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर फैलाव को रोकने वाली एक प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है और गंगा के मैदानों को मरुस्थलीकरण से बचाती है। इसकी चट्टानें, वनस्पतियां और घाटियां भूजल को संरक्षित करने में मदद करती हैं। चंबल, साबरमती और लूनी जैसी नदियों का उद्गम भी इसी क्षेत्र से होता है। इसके जंगल अनेक वन्य प्रजातियों को आश्रय देते हैं और जलवायु को स्थिर रखने में योगदान करते हैं। इस दृष्टि से अरावली केवल भूगोल नहीं, बल्कि जीवन तंत्र है, जिसकी क्षति का प्रभाव दूरदराज के क्षेत्रों तक महसूस किया जाता है।

अरावली कई दशकों से मानवीय दबाव झेल रही है। पत्थर, रेत और खनिज की बढ़ती मांग ने इसे खनन का प्रमुख केंद्र बना दिया है। पत्थर और चूना-पत्थर की निरंतर निकासी ने कई पहाड़ियों को कमजोर कर दिया है। जंगलों का नुकसान हुआ है। आसपास के शहरों में वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ती गई है। भूजल स्तर नीचे गया और ग्रामीण आबादी को पानी के लिए टैंकरों तथा अस्थायी साधनों पर निर्भर होना पड़ा। कई बार नियम बनाए गए, कई बार न्यायालय का सीधा हस्तक्षेप हुआ। मगर इनका पालन हमेशा ठोस रूप में नहीं हो सका।

इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय ने मई 2024 में नए खनन पट्टों और पुराने पट्टों के नवीनीकरण पर रोक लगाई और एक विशेषज्ञ समिति से विस्तृत रपट मांगी। समिति ने इस बात पर बल दिया कि अब तक खनन परियोजनाओं का मूल्यांकन प्रायः अलग-अलग किया गया, जबकि उनका संयुक्त प्रभाव पूरे क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर पड़ता रहा है। इसलिए समिति ने संचयी पर्यावरणीय प्रभाव के वैज्ञानिक अध्ययन, सटीक नक्शानवीसी, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा और पत्थर क्रशर इकाइयों पर सख्त निगरानी जैसी सिफारिशें कीं।

इसी क्रम में अरावली की वैज्ञानिक परिभाषा तय करने का प्रश्न उभरा। अलग-अलग राज्यों तथा संस्थानों द्वारा अरावली की पहचान के लिए भिन्न-भिन्न मानदंड अपनाए जाते रहे हैं। इस असंगति के कारण कई क्षेत्रों में यह विवाद बना रहा कि कौन-सा इलाका वास्तव में अरावली का हिस्सा है। इस भ्रम का लाभ उठा कर खनन को वैध ठहराने की कोशिशें भी होती रहीं। इसे समाप्त करने के लिए बनाई गई संयुक्त समिति ने सुझाव दिया कि जो पहाड़ियां सौ मीटर से अधिक ऊंचाई रखती हैं, उन्हें अरावली की परिधि में माना जाए। न्यायालय ने इस मानक को स्वीकार किया, लेकिन यहीं से व्यापक असहमति और विरोध शुरू हुआ।

पर्यावरण क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि अरावली जैसी अत्यंत पुरानी और घिस कर बनी पर्वतमाला को केवल ऊंचाई के आधार पर परिभाषित करना उसके वास्तविक महत्त्व को कम करके देखना होगा। इस श्रृंखला की कई पहाड़ियां अपेक्षाकृत नीची अवश्य हैं, परंतु वे वर्षा जल को रोकने, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता बनाए रखने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि केवल सौ मीटर की सीमा लागू कर दी जाए, तो बड़ी संख्या में ऐसी पहाड़ियां अरावली की परिभाषा से बाहर हो सकती हैं और उन पर खनन के लिए कानूनी रास्ते खुल सकते हैं। यही वह मुख्य चिंता है जिसे अब न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और इसी कारण उसने पूर्व सिफारिशों और टिप्पणियों को अगली सुनवाई तक स्थगित कर दिया है।

सरकार की ओर से यह कहा गया कि आदेशों और प्रक्रियाओं को लेकर भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। जबकि न्यायालय ने साफ किया है कि जब तक नई उच्च स्तरीय समिति स्वतंत्र रूप से पूरी प्रक्रिया की समीक्षा नहीं कर लेती, तब तक न तो सौ मीटर वाली परिभाषा लागू होगी और न ही उससे जुड़े अन्य निर्देश प्रभावी होंगे। इस प्रकार न्यायालय ने संरक्षण तथा नीति निर्माण दोनों को और अधिक वैज्ञानिक तथा पारदर्शी बनाने का प्रयास किया है। राज्य सरकारों की चिंताएं भी स्वाभाविक हैं। अरावली चार राज्यों में फैली हुई है और हर राज्य की अपनी भूमि नीति, राजस्व संरचना और प्रशासनिक सीमाएं हैं। खनन कई राज्यों के लिए राजस्व का महत्त्वपूर्ण स्रोत रहा है।

इसी संदर्भ में 'अरावली ग्रीन वाल' परियोजना का उल्लेख भी आवश्यक है। इस योजना में अरावली के आसपास बंजर भूमि को पुनर्जीवित कर हरियाली बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। दावा किया गया है कि इससे मरुस्थलीकरण पर रोक लगेगी और स्थानीय पर्यावरण सुदृढ़ होगा। मगर कई स्थानीय समुदायों को आशंका है कि इस योजना से भूमि उपयोग पर नए प्रतिबंध लग सकते हैं और पारंपरिक चराई, खेती और बसावट प्रभावित हो सकती है। इसलिए जो भी हो, स्थानीय समुदायों की सहमति और सक्रिय भागीदारी के साथ किया जाए। अरावली पर प्रश्न यह भी है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए?

सर्वोच्च न्यायालय का नवीनतम निर्णय इस दिशा में पुनर्विचार का अवसर है। इससे यह उम्मीद जन्म लेती है कि अरावली की रक्षा पर होने वाली बहस अब अधिक गहराई, वैज्ञानिकता और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ेगी। यदि नई समिति निष्पक्षता से सभी पक्षों की बात सुन कर संतुलित सिफारिशें करती है और सरकारें उन्हें ईमानदारी से लागू करती है, तो आज का विवाद कल के विश्वास में बदल सकता है। यदि प्रक्रिया फिर से केवल कागजों में सीमित रह गई और व्यवहार में वही पुरानी कमजोरियां कायम रहीं, तो अरावली की प्राचीन पहाड़ियां एक बार फिर विकास की कीमत चुकाने को मजबूर होंगी। यही आशंका आज की बहस का मूल कारण है और यही वजह है कि सब कुछ ठीक दिखने के बावजूद असहमति की आवाज थम नहीं रही है।

यूपी-112 रिस्पांस टाइम में भदोही पुलिस जोन में प्रथम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। यूपी-112 पर प्राप्त सूचनाओं के त्वरित निस्तारण को लेकर भदोही पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। माह दिसंबर 2025 की जोन स्तरीय रिस्पांस टाइम रैंकिंग में भदोही जनपद की पीआरवी टीम को लगातार एक बार फिर प्रथम स्थान, जबकि प्रदेश स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में जनपदीय यूपी-112 टीम द्वारा रिस्पांस टाइम में निरंतर सुधार किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि पीड़ितों तक पुलिस सहायता मात्र 04 मिनट 44 सेकण्ड में पहुंच रही है। यूपी-112 पर प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं पर पीआरवी वाहन तत्काल मौके पर पहुंचकर पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे आपात स्थितियों में लोगों को समय पर राहत मिल रही है। जोन स्तर पर लगातार शीर्ष स्थान बनाए रखना भदोही पुलिस की कार्यक्षमता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पुलिस अधीक्षक ने रिस्पांस टाइम को और बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

भदोही पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति जैसे अपराध, दुर्घटना, चोरी, मारपीट या महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में बिना देरी 112 डायल करें, आपकी एक कॉल पर पुलिस सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्टांप व राजस्व वादों का किया स्थलीय निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नववर्ष 2026 के अवसर पर प्रभावी सुशासन और अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने न्यायालय आपके द्वार अभियान के अंतर्गत लंबित स्टांप एवं राजस्व वादों का स्थलीय निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य प्रकरणों की वास्तविक स्थिति को मौके पर समझकर त्वरित एवं शुचितापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना रहा।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में जनसुनवाई के उपरांत जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए तहसील ज्ञानपुर के मौजा केवटाही में धर्मेंद्र कुमार बनाम उषा देवी आदि वाद का निरीक्षण किया, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार की बाग भूमि के प्रकार में आवास आवंटन द्वारा अतिक्रमण से संबंधित प्रकरण शामिल है।

इसके अतिरिक्त तहसील औराई के रामापुर में सरकार बनाम श्रीमती चंद्रकला वाद के अंतर्गत स्टांप प्रकरण में विक्रय अभिलेखों के आधार पर भी स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने दोनों मामलों में संबंधित पक्षकारों की बातों को गंभीरता से सुना तथा प्रकरणों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि न्यायालय आपके द्वार अभियान के तहत लंबित व विवादित मामलों में स्थलीय निरीक्षण एवं सुनवाई कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को न्याय के लिए अनावश्यक भटकना न पड़े।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह, तहसीलदार औराई सुनील कुमार, जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार, चीफ रीडर बृजनाथ सहित संबंधित कानूनगो एवं लेखपाल उपस्थित रहे।

माह दिसंबर 2025 में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा परेड के उपरांत पुलिस लाइन सभागार में माह दिसंबर 2025 में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों (थाने पर नियुक्त पुलिसकर्मी, साइबर सेल/थाना साइबर क्राइम पर नियुक्त पुलिसकर्मी, कंप्यूटर ऑपरेटर तथा स्वाट एवं सर्विलांस टीम) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित एवं उत्सवर्धन कर उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

84.23 प्रतिशत अंकों के साथ चकबंदी कार्यों में भदोही प्रदेश में अव्वल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। चकबंदी कार्यों में प्रभावी निगरानी, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और पारदर्शी कार्यशैली के चलते जनपद भदोही ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल मार्गदर्शन में भदोही जनपद ने चकबंदी निदेशालय द्वारा जारी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

चकबंदी निदेशालय द्वारा प्रदेश के समस्त जनपदों में 01 अप्रैल 2025 से 30 नवंबर 2025 की अवधि के दौरान किए गए चकबंदी कार्यों की समीक्षा के आधार पर यह रैंकिंग तैयार की गई, जिसमें भदोही को औसत 84.23 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए, जो प्रदेश में सर्वाधिक हैं।

उप संचालक चकबंदी एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विजय नारायण सिंह तथा बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी एवं उप जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञानपुर शिव प्रकाश यादव ने बताया कि समीक्षा के दौरान तीन प्रमुख बिंदुओं को आधार बनाया गया।

इनमें धारा 10, 23, 24 व 52 के अंतर्गत ग्रामों की भौतिक प्रगति 68.12 प्रतिशत, चकबंदी से संबंधित वादों का 84.57 प्रतिशत निस्तारण, तथा आईजीआरएस एवं अन्य शिकायतों में 100 प्रतिशत संतुष्टि दर्ज की गई।

इन सभी मानकों के औसत के आधार पर जनपदवार रैंकिंग तैयार की गई, जिसका उद्देश्य चकबंदी कार्यों में गुणवत्ता सुधार और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है।

जिलाधिकारी द्वारा चकबंदी कार्यों की नियमित साप्ताहिक समीक्षा, शिकायतकर्ताओं की प्रत्यक्ष सुनवाई तथा गांवों में चकबंदी अधिकारियों को चौपाल लगाकर समस्याओं के मौके पर समाधान के निर्देश दिए जाते रहे। इसी सतत निगरानी और अभियानात्मक कार्यशैली का परिणाम है कि भदोही जनपद प्रदेश में शीर्ष स्थान पर रहा।चकबंदी अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि वर्तमान में जनपद के 12 गांव चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत हैं, जिनमें चकदूरा, बहरैची, सरायछत्रशाहपुर, बनकट, झउवा विक्रमपुर, बेरासपुर, कोल्हूआ पांडेपुर, डुहियाभान, शुकुलपुर, सिकन्दरा एवं पिलखिनी शामिल हैं।

चकदूरा गांव में कब्जा परिवर्तन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। वहीं जनवरी माह में धारा 52 की कार्यवाही तथा मई-जून में डुहियाभान और विक्रमपुर में कब्जा परिवर्तन प्रस्तावित है।

फर्जी व्हाट्सएप मैसेज/कॉल से संपर्क करने वाले साइबर फ्रॉड से सतर्क रहने की अपील

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार ने जनपदवासियों को सतर्क एवं जागरूक करते हुए अवगत कराया है कि साइबर फ्रॉड द्वारा इंटरनेशनल मोबाइल नंबर +84 362607763 का उपयोग करते हुए जिलाधिकारी शैलेष कुमार का नाम एवं प्रोफाइल फोटो (डीपी) लगाकर व्हाट्सएप मैसेज एवं कॉल के माध्यम से लोगों से संपर्क किया जा रहा है। यह नंबर डीएम का नहीं है। पुलिस विभाग के साइबर क्राइम सेल द्वारा विधिक कार्रवाई जारी है।

जनपद के समस्त नागरिकों से अपील है कि इस प्रकार के फर्जी, फेक एवं भ्रामक कॉल/मैसेज से पूर्णतः सतर्क रहें। यदि किसी नागरिक को इस प्रकार का कोई कॉल या मैसेज प्राप्त होता है तो तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा साइबर क्राइम सेल को सूचित करें।

भदोही में आज मनाई जाएगी महाराजा अहिबरन की जयंती

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। बरनवाल समाज के आदि पुरुष एवं बुलंदशहर के संस्थापक महाराजा अहिबरन की जयंती समारोह का आयोजन आज भदोही में किया जाएगा। यह कार्यक्रम बरनवाल सेवा समिति भदोही एवं नई बाजार के संयुक्त तत्वावधान में सेलिब्रेशन पैलेस में संपन्न होगा।

समिति के मीडिया प्रभारी आशीष बरनवाल ने बताया कि जयंती समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेकर महाराजा अहिबरन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालेंगे।

उन्होंने बताया कि समारोह के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी जैसे आयोजन भी होंगे। आयोजन को लेकर बरनवाल समाज में उत्साह का माहौल है।

शीतलहर से राहत को लेकर कंबल वितरण अभियान जारी

नववर्ष पर औराई के उगापुर में जरूरतमंदों को मिली ठंड से राहत

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कड़ाके की ठंड, घने कोहरे और शीतलहर से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार जनपद में कंबल वितरण अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देश पर जिले की सभी तहसीलों में गरीब, असहाय और बेसहारा व्यक्तियों को शासकीय कंबल वितरित किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी जरूरतमंद ठंड से प्रभावित न हो।

इसी क्रम में तहसील औराई के अंतर्गत ग्राम पंचायत उगापुर में नववर्ष के अवसर पर कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तहसीलदार औराई सुनील कुमार द्वारा पात्र व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों ने राहत महसूस करते हुए मुख्यमंत्री एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर तहसीलदार ने कहा कि शासन एवं जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि शीतलहर के दौरान जनपद का कोई भी गरीब या असहाय व्यक्ति ठंड से परेशान न हो। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि गांव-गांव सर्वे कर वास्तविक जरूरतमंदों की पहचान सुनिश्चित की जाए और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई जाए।

कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, लेखपाल एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

एसएसबी द्वारा सीमाई क्षेत्र के युवाओ को सशस्त्र बलों मे भर्ती होने हेतु भर्ती पूर्व प्रशिक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बार्डर पर तैनात 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सिद्धार्थनगर द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज दुल्हा सुमाली मे नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमाई क्षेत्र के युवाओ को सशस्त्र बलों मे भर्ती होने हेतु 14 दिवसीय भर्ती पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह का आयोजन किया गया ध सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एल. आशाकुमार सिंह, कार्यवाहक कमांडेंट 43वीं वाहिनी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । इसके पश्चात नेहरू इंटर कॉलेज दूल्हा सुमाली के छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया साथ ही छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से योग मुद्राओ का प्रदर्शन किया गया और महिला सशक्तिकरण पर व्यख्यान प्रस्तुत कियें ध इसके पश्चात दिलीप कुमार पाण्डेय, ग्राम प्रधान सभा अध्यक्ष बर्डपुर/ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फर्सादीपुर और अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज दूल्हा सुमाली के द्वारा सशस्त्र सीमा बल द्वारा चलाये जा रहे इस तरह के नागरिक कल्याण कार्यक्रम हेतु आभार व्यक्त किया तथा आगामी समय में भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों आयोजित कराने की इच्छा व्यक्त की जिससे सीमाई क्षेत्र के युवाओं/नागरिको के कौशल का विकाश हो सके और वह रोगगार प्राप्त कर अपनी और देश की तरक्की में योगदान दे सकें ध तदोपरांत, एल.आशाकुमार सिंह, कार्यवाहक कमांडेंट ने उपस्थित सभी अतिथिगणों का स्वागत करते हुए बताया कि सशस्त्र सीमा बल की 43वीं वाहिनी, भारत-नेपाल सीमा की लगभग 40 किलोमीटर कार्यक्षेत्र की सुरक्षा के साथ-साथ अपने कार्यक्षेत्र के कुल 684 गांवों के नागरिकों के उत्थान के लिए समय - समय पर सामाजिक चेतना अभियान एवं नागरिक कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर सीमाई युवाओ को स्वरोजगार अर्जित कराने एवं महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रयासरत रही है ध इसी कड़ी में 43 वाहिनी एस.एस.बी द्वारा से 14 दिवसीय सशस्त्र बलों में भर्ती पूर्व प्रशिक्षण अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सीमाई क्षेत्र के कुल 400 युवा/युवतियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा ध इस प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को फिजिकल, लिखित और मेडिकल जाँच की प्रक्रिया के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देने के साथ साथ अभ्यास कराया जायेगा और प्रशिक्षण प्राप्ति के पश्चात अभ्यर्थियो को प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र वितरित किया जायेगा जिससे आगामी दिनों में भर्ती परीक्षा में सहूलियत के साथ-साथ अनुभव प्राप्त हो सके ध

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ-साथ 43वीं वाहिनी से डांगे अंकुश सुभाष, सहायक कमांडेंट, आशीष राघव, सहायक कमांडेंट, समवाय कमांडर ककरहवा, निरीक्षक संजीव, कस्टम कार्यालय ककरहवा, उप निरीक्षक जीतेन्द्र सिंह, प्रभारी मोहाना थाना, उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, प्रभारी पुलिस चौकी ककरहवा, अखिलेश कुमार सिंह, मानव सेवा संस्थान और नेपाल ए.पी.एफ और नेपाल प्रहरी के प्रतिनिधि, नेहरू इंटर कॉलेज के अध्यापकगण और छात्र-छात्राए और भर्ती पूर्व प्रशिक्षण अभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहें ।

पंचायत चुनाव के दृष्टिगत विभाग ने भेजी तैयारियों की रिपोर्ट

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर जिले में प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। पंचायत राज विभाग ने निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव संपन्न कराने के उद्देश्य से पंचायती राज निदेशक को विस्तृत रिपोर्ट प्रेषित कर दी है। इसके साथ ही जिले में पंचायत चुनाव की सरगर्मी अब गांव-गांव दिखाई देने लगी है।

आगामी चुनाव में जिले की 26 जिला पंचायत सदस्य, 546 ग्राम प्रधान, 661 क्षेत्र पंचायत सदस्य और 6848 ग्राम पंचायत सदस्यों के पदों पर मतदान कराया जाना है। वर्ष 2021 में गठित पंचायतों का कार्यकाल धीरे-धीरे पूर्ण होने की ओर है, ऐसे में चुनावी प्रक्रिया को लेकर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। अनंतिम मतदाता सूची जारी कर आपत्तियां आमंत्रित की गईं, जिनका निस्तारण किया जा रहा है। इसी क्रम में निदेशक पंचायती राज के निर्देश पर जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा सभी विकास खंडों से रिपोर्ट मंगाई गई थी, जिसके आधार पर निदेशालय को समेकित रिपोर्ट भेज दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अधिकांश ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है, जबकि कुछ पंचायतों में कोरम की स्थिति के अनुसार यह अवधि 19 जून 2026 तक रहेगी। वहीं, जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल 11 जुलाई और ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल 19 जुलाई 2026 को पूर्ण होगा।

जिला पंचायत राज अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया कि फिलहाल आरक्षण को लेकर कोई दिशा-निर्देश प्राप्त नहीं हुए हैं। आदेश मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इधर, पंचायत चुनाव को लेकर गांव-गांव राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। चुनाव में अभी कुछ महीने शेष हैं, लेकिन संभावित प्रत्याशी अभी से जनसंपर्क कर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। आने वाले दिनों में चुनावी माहौल और अधिक तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

दिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कोइरौना थाना क्षेत्र के भीखीपुर ग्रामसभा के चैनपट्टी गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान पूनम मिश्रा (32 वर्ष) पत्नी सुशील मिश्र उर्फ रिंकू के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात पूनम मिश्रा की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजन उन्हें उपचार के लिए गोपीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन द्वारा मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलने पर कोइरौना पुलिस शुक्रवार भोर में मृतका के घर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान मृतका के पिता देवी प्रसाद दूबे, निवासी मुजहरा, मिर्जापुर, परिजनों के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों की मौजूदगी में पुलिस ने कानूनन प्रक्रिया का पालन करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए ज्ञानपुर भेज दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक रामनगीना यादव ने बताया कि मृत्यु के कारणों की स्पष्ट जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

महिला सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा थानाध्यक्ष नरायन लाल श्रीवास्तव थाना ढेबरुआ के नेतृत्व में मिशन शक्ति व साइबर क्राइम, मिशन शक्ति केंद्र, बहू बेटी सम्मेलन एवं नए कानून के संबंध के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत ग्राम- तुलसियापुर व ढेबरुआ में चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं को महिला अपराध, दहेज उत्पीड़न व 03 नये कानून के बारे में जागरुक किया गया तथा महिला सशक्तिकरण संबंधी बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, कानूनों की जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये अभियान के तहत जागरुक किया गया महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा के बारे में जानकारी दी गई ।

नववर्ष पर भदोही पुलिस का अपराधियों पर करारा प्रहार

55 पर कार्रवाई, 28 पर गैंगस्टर एक्ट

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नववर्ष के अवसर पर भदोही पुलिस ने अपराध नियंत्रण को लेकर बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर जनपद में विभिन्न अभियानों के तहत कुल 55 अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई।

इस दौरान संगठित अपराधों में संलिप्त 28 अभियुक्तों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत 6 अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। साथ ही इन सभी अभियुक्तों के विरुद्ध गैंग पंजीकरण की कार्यवाही भी पूरी कर ली गई है। यह कार्रवाई गिरोह बनाकर अपराध करने वाले शातिर अपराधियों पर सीधा प्रहार मानी जा रही है। इसके अतिरिक्त, कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बने 12 शातिर एवं अभ्यस्त अपराधियों पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त 9 अभियुक्तों की हिस्ट्री शीट खोलकर उन पर लगातार निगरानी शुरू कर दी गई है।

भदोही पुलिस द्वारा जनपद में घटित हो रहे अपराधों पर निरंतर नजर रखी जा रही है। विशेष रूप से महिला संबंधी अपराधों, संगठित गिरोहों एवं आदतन अपराधियों पर कड़ी निगरानी की जा रही है। साथ ही ऐसे अपराधियों की चल-अचल संपत्तियों की जांच कर अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई भी अमल में लाई जा रही है।

रेल प्रशासन की उदासीनता से श्रद्धालु मायूस, बढ़नी-झूसी मेला स्पेशल ट्रेन निरस्त

सिद्धार्थनगर। जिले में रेल विभाग की उदासीनता के चलते बढ़नी से झूसी तक चलने वाली मेला स्पेशल ट्रेन की घोषणा के मात्र दो दिन बाद ही उसे निरस्त कर दिया गया। इस फैसले से प्रयागराज एवं वाराणसी जाकर काशी विश्वनाथ के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को भारी निराशा झेलनी पड़ी।कई यात्री शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन से मायूस होकर अपने घर लौट गये।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 1 जनवरी से बढ़नी से झूसी के लिए मेला स्पेशल फास्ट पैसेंजर ट्रेन चलाने की घोषणा की गई थी। इसकी समय-सारिणी समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हो चुकी थी, लेकिन अचानक रेल प्रशासन ने उक्त ट्रेन को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया।आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ की अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने कहा कि शोहरतगढ़ तहसील मुख्यालय होने के बावजूद शोहरतगढ़ से परिवहन सुविधाएं बेहद सीमित हैं। बस्ती जाने के लिए केवल एक सुबह की बस उपलब्ध है, जबकि गोरखपुर, नौतनवां, बलरामपुर व डुमरियागंज जैसे प्रमुख स्थानों के लिए बसों की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। ऐसे में प्रयागराज जाने वाली ट्रेन को पहले घोषित कर फिर निरस्त करना तीर्थयात्रियों के साथ मजाक है। नववर्ष के अवसर पर वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए डोई शिव मंदिर के पुजारी बाबा बालकदास, केशव दास सहित एक दर्जन से अधिक साधु-संत उत्साह और आस्था के साथ शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन ट्रेन निरस्त होने की सूचना मिलते ही सभी निराश होकर वापस लौट गये। आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, संजय शिल्पी, नीलू रूंगटा, महेश कसौधन, जितेंद्र वर्मा, रमेश पटवा, शिवचरन अग्रहरि, अनिल वर्मा सहित अन्य लोगों ने रेल प्रशासन से मांग की है कि तीर्थयात्रियों की सुविधा को देखते हुए बढ़नी से झूसी तक मेला स्पेशल ट्रेन का पुनः संचालन किया जाय।इस संबंध में शोहरतगढ़ स्टेशन अधीक्षक सद्दाम हुसैन ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा बढ़नी से झूसी तक चलने वाली स्पेशल फास्ट पैसेंजर ट्रेन को निरस्त कर दिया गया है।

इंदौर में दूषित पानी पीने से 10 की मौत, मायावती बोलीं-

नागरिकों के जान से खिलवाड़ करना शर्मनाक राज्य सरकार को सख्त क़दम उठाने की ज़रूरत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की पूर्व सीएम एवं बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने मध्य प्रदेश राज्य के इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से 10 लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एक रिपोर्ट के मुताबि इंदौर में डायरिया फैलने की वजह दूषित पीने का पानी था, जिससे कम से कम चार (सरकारी आंकड़ों के मुताबिक) मरीजों की मौत हो गई और 1, 400 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए।

हालांकि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कम से कम 10 मौतें होने की बात कही है। मायावती ने एक्स पोस्ट कर कहा कि इन्दौर शहर में प्रदूषित पानी पीने से अनेक निर्दोष नागरिकों की मौत तथा अन्य अनेक लोगों के बीमार हो जाने की अति-दुखद एवं चौंकाने वाली खबर काफी चर्चा में है तथा ऐसी सरकारी ग़ैर-ज़िम्मेदारी व उदासीनता को लेकर लोगों में स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में व्यापक आक्रोश भी स्वाभाविक है।

उन्हों ने कहा कि वैसे तो लोगों को खास़कर साफ हवा और पानी आदि मुहैया कराना हर सरकार की पहली ज़िम्मेदारी होती है, किन्तु यहाँ अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की तरह ही बुनियादी जनसुविधा के सम्बंध में भी सरकारी लापरवाही व भ्रष्टाचार आदि काफी घातक साबित हो रहा है तथा परिवार उजड़ रहे हैं, यह अति-दुखद व अति-चिन्तनीय।

इस प्रकार की नागरिकों के जान से खिलवाड़ करने की शर्मनाक घटना की रोकथाम के लिये राज्य सरकार को सख़्त से सख़्त क़दम उठाते रहने की ज़रूरत है। साथ ही, केन्द्र की सरकार को भी इसका उचित संज्ञान लेकर प्रभावी कार्रवाई ज़रूर करनी चाहिये ताकि देश के किसी अन्य राज्य में ऐसी दर्दनाक घटनायें ना होने पायें। 'स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के प्रकोप से चार लोगों की मौत हुई है। हालांकि, मुझे इस प्रकोप के कारण 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है।

भागीरथपुरा से लिए गए पेयजल के नमूनों की शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर इस इलाके में हैजा फैलने के संदेह पर महापौर ने कहा कि इस बारे में स्वास्थ्य विभाग ही जानकारी दे सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बृहस्पतिवार को बताया था कि शहर के एक चिकित्सा महाविद्यालय की प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि भागीरथपुरा में पाइपलाइन में लीकेज के कारण पेयजल दूषित हुआ था।

मशीन तो तुम्हें बांग्लादेशी बता रही है, एसएचओ ने पीठ पर लगाई 'नागरिकता जांच मशीन'

पुलिस के 'अविष्कार' का वीडियो वायरल, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद में एक वायरल वीडियो काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों बहुत ही तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कौशांबी थाना प्रभारी निरीक्षक अजय शर्मा जब अपने थाने की पुलिस और सीआरपीएफ के साथ झुग्गियों में पहुंचे तो वहां एक व्यक्ति की पीठ पर कथित मशीन लगाकर उसकी नागरिकता जांचने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वीडियो में यह दावा किया जा रहा है कि मशीन ने व्यक्ति को बांग्लादेशी बताया है, जबकि संबंधित व्यक्ति खुद को बिहार के अररिया जिले का निवासी बता रहा है। साथ ही वह अपने डाक्यूमेंट्स भी दिख रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद कौशांबी थाने के इंचार्ज अजय शर्मा की इस जांच को लेकर सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई है। स्थानीय निवासी यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या वास्तव में ऐसी कोई मशीन मौजूद है, जिससे किसी व्यक्ति की नागरिकता की पहचान की जा सके। वहीं कई अन्य स्थानीय लोग इसे पुलिस का दबाव बनाने वाला तरीका बता रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यह मामला 23 दिसंबर का है। उस दिन कौशांबी थाना क्षेत्र के भोवापुर स्लम्स और बिहारी मार्केट इलाके में पुलिस ने आरआरएफ और सीआरपीएफ के साथ मिलकर सघन तलाशी अभियान चलाया था। यह अभियान रोहिंग्या और अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए चलाया गया था, जिसे ऑपरेशन टॉर्च नाम दिया गया था। इस दौरान झुग्गियों में रह रहे लोगों के पहचान पत्रों की जांच की गई थी।

मामले पर सफाई देते हुए एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने कहा कि यह कोई तकनीकी या वैज्ञानिक जांच नहीं थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने झुग्गियों में रहने वाले लोगों की पहचान सत्यापित करने के लिए ऑपरेशन 'टॉर्च' चलाया था। जिसके तहत पूछताछ के दौरान पुलिसवालों द्वारा अलग अलग तरीके अपनाए गए। पुलिस अलग अलग तरीकों से सवाल कर जानकारी एकत्रित करती है।

न्यूड वीडियो दिखाकर बैड टच करता था टीचर; डरी-सहमी छात्राएं, अब घर से नहीं निकल रही बाहर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गोरखपुर के बेलघाट थाना क्षेत्र से एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक सरकारी स्कूल में तीन नाबालिग छात्राओं से टीचर ने अश्लील हरकतें की। आरोपी उन्हें गंदे वीडियो भी दिखाता था। उसकी इन्हीं करतूतों की वजह से छात्राएं डरी-सहमी है और स्कूल जाने से मना कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी नवल किशोर बेलघाट थाना क्षेत्र के एक स्कूल में टीचर था। यहां पर पढ़ने वाली तीन नाबालिग छात्राओं ने शिकायत की कि शिक्षक उन्हें न्यूड वीडियो दिखाकर उनके साथ बैड टच (अश्लील हरकत) करता था। घटना के बाद से छात्राएं डरी-सहमी हैं। उन पर इस घटना का गहरा मानसिक असर पड़ा है और वे स्कूल जाने से भी डर रही हैं। वे घर से बाहर तक नहीं निकल रही हैं।

पुलिस ने आरोपी शिक्षक नवल किशोर को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कर ली गई थी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी पहले भी ऐसी गंदी हरकतें कर चुका है। वो पहले भी इसी क्षेत्र के एक अन्य सरकारी स्कूल में तैनात था। वहां भी छात्राओं के साथ अश्लील हरकतों की शिकायतें सामने आई थीं। इन्हीं हरकतों के चलते तीन वर्ष पहले उसका तबादला कर दिया गया था। यहां भी उसने गंदी हरकतें करना नहीं छोड़ा। वहीं, पुलिस का कहना है कि आरोपी को जेल भिजवाने के साथ ही छात्राओं के बयान भी दर्ज करा लिए गए हैं। छात्राओं और उनके परिजनों से संवेदनशील तरीके से बातचीत की जा रही है ताकि बिना किसी दबाव के सचाई सामने आ सके। शिक्षा विभाग से भी आरोपी शिक्षक की सेवा से संबंधित रिकॉर्ड मांगा गया है। फिलहाल, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पति की मौत के सदमे से पत्नी ने भी तोड़ा दम, एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार, गांव में पसरा सन्नाटा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के महाराजगंज जिले में पनियरा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 दीन दयाल नगर में बुधवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां कुछ ही मिनटों के अंतराल में पति-पत्नी की मौत हो गई। 70 वर्षीय लालमन सिंह की मृत्यु के सदमे को उनकी 62 वर्षीय पत्नी रूमाली देवी सहन नहीं कर सकीं और उन्होंने भी प्राण त्याग दिए।

जानकारी के अनुसार, लालमन सिंह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बुधवार रात उन्होंने भोजन करने के बाद सो गए थे। गुरुवार सुबह जब उनकी पत्नी रूमाली देवी ने उन्हें जगाने का प्रयास किया, तो उनके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई। पति को मृत अवस्था में देखकर रूमाली देवी जोर-जोर से रोने लगीं।

चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पति के वियोग में रूमाली देवी दो-तीन बार जोर से चिल्लाईं और अचानक अचेत होकर गिर पड़ीं। परिजन कुछ समझ पाते, उससे पहले ही उनकी भी मौत हो गई। घर में एक साथ दो मौतों से कोहराम मच गया।

दंपत्ति अपने पीछे तीन पुत्र–जगदीश, प्रदीप और संदीप–का परिवार छोड़ गए हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि उन्होंने इससे पहले इस तरह की घटना कभी नहीं देखी।

लालमन सिंह और रूमाली देवी का अंतिम संस्कार भौराबारी पुल के पास रोहिन नदी के तट पर किया गया। दोनों के शवों को एक ही चिता पर रखकर अंतिम विदाई दी गई। इस घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में शोक और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

कपड़े उतारकर नाबालिग को बेरहमी से पीटा; कनपटी पर पिस्टल लगाकर दी धमकी

हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाता रहा युवक

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुछ दबंगों ने बर्बरता की सारी हद पार कर दी। कुछ दबंगों ने एक नाबालिग युवक को अगवा किया। उन्होंने चार पहिया वाहन से उसे अगवा किया और फिर उससे 5 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। इतना ही नहीं दरिंदों ने बर्बरता की सारी हद पार कर दी और नाबालिग को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा गया।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला तालकटोरा थाना क्षेत्र का है। यहां के 31 दिसंबर रात करीब 2 बजे 16 वर्षीय नाबालिग युवक का कुछ दबंगों ने अपहरण किया। अगवा करने के बाद गाड़ी के अंदर नाबालिग को निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा गया। पीड़ित दबंगों से जान की गुहार लगा रहा है, लेकिन दबंग नाबालिग के बेरहमी से पीटते रहते हैं। कनपटी पर अवैध पिस्टल लगाकर जान से मारने की धमकी दी गई। वो पीड़ित से 5 लाख रुपये की फिरौती की मांग कर रहे थे। दबोंगों द्वारा नाबालिग युवक को सुबह 6-7 बजे छोड़ा गया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीड़ित नाबालिग राजाजीपुरम इलाके का रहने वाला है। उसके परिजनों ने तालकटोरा थाने में तहरीर दी है। परिवार का आरोप, इशू यादव और अनुज दीक्षित ने साथियों संग मिलकर नाबालिग यवुक के अपरहरण की वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद कई गिरफ्तारी नहीं हुई। जिसके बाद पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो रहे है। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दबंग युवक नाबालिग के कपड़े उतरवा रहे हैं और उसे अपशब्द कहते हुए पीट रहे हैं। नाबालिग दबंगों से रहम की भीख मांग रहा है, लेकिन आरोपी उसको बेरहमी से पीटते नजर आ रहे है।

इंदौर मौत मामला : उमा भारती ने अपनी सरकार को घेरा! कहा- यह सीएम मोहन यादव की परीक्षा की घड़ी

भोपाल **(एजेंसी)**। पिछले तीन दिनों में इंदौर में दूषित पानी से 15 लोगों की मौत के बाद, वरिष्ठ भाजपा नेता उमा भारती ने मध्य प्रदेश सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि कुर्सी पर बैठे लोग शहर को कम से कम पीने का पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में समय पर कार्रवाई करने में विफल रहे, जबकि वे खुद बिसलेरी की बोतलों का आनंद ले रहे हैं। उमा भारती ने इंदौर त्रासदी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं के लिए कड़ी सजा की मांग करते हुए कहा कि ऐसे पाप को केवल स्पष्टीकरण या माफी से माफ नहीं किया जा सकता!

उमा भारती ने एक्स पर लिखा कि साल 2025 के अंत में इंदौर में गंदे पानी पीने से हुई मौतें हमारा प्रदेश, हमारी सरकार और हमारी पूरी व्यवस्था को शर्मिंदा और कलंकित कर गईं। प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहर का अवार्ड प्राप्त करने वाले नगर में इतनी बदसूरती, गंदगी, जहर मिला पानी जो कितनी जिंदगियों को निगल गया और निगलता जा रहा है, मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिंदगी की कीमत दो लाख रुपए नहीं होती क्योंकि उनके परिजन जीवन भर दुःख में डूबे रहते हैं। इस पाप का घोर प्रायश्चित करना होगा, पीडितजनों से माफी मांगनी होगी और नीचे से लेकर ऊपर तक जो भी अपराधी हैं उन्हें अधिकतम दंड देना होगा। यह मोहन यादव जी की परीक्षा की घड़ी है।

पूर्व सीएम ने आगे कहा कि इंदौर दूषित पानी के मामले में यह कौन कह रहा है कि हमारी चली नहीं। जब आपकी नहीं चली तो आप पद पर बैठे हुए बिसलेरी का पानी क्यों पीते रहे? पद छोड़कर जनता के बीच क्यों नहीं पहुंचे? ऐसे पापों का कोई स्पष्टीकरण नहीं होता या तो प्रायश्चित या दंड! उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सिर्फ इंदौर के मेयर नहीं, मध्य प्रदेश का शासन एवं प्रशासन, इस महापाप के सभी जिम्मेवार लोग जनता के प्रति अपराध के कटघरे में खड़े हैं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी के कारण फैले दस्त से 15 लोगों की मौत की सूचना मिली है। भागीरथपुरा से लिए गए पेयजल के नमूनों की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर इलाके में हैजा फैलने की आशंका के बारे में पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि इस मामले में केवल स्वास्थ्य विभाग ही जानकारी दे सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव प्रसाद हसनी ने गुरुवार को बताया कि शहर के एक मेडिकल कॉलेज की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट से पुष्टि हुई है कि पाइपलाइन में रिसाव के कारण इलाके का पेयजल दूषित हो गया था।

एआई के 'गंदे खेल' पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी अश्विनी वैष्णव को लिखी चिट्ठी, कहा- निजता खतरे में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने गुरुवार को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खातों के जरिए महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें पोस्ट करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एटीआई) उपकरणों के कथित दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां महिलाओं की निजता का गंभीर उल्लंघन हैं और केंद्र से उनके अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

पत्र में चतुर्वेदी ने लिखा कि मैं सोशल मीडिया, विशेष रूप से एक्स पर उभर रहे एक नए चलन की ओर आपका तत्काल ध्यान और हस्तक्षेप आकर्षित करना चाहती हूं, जहां एआई ग्रोक फीचर का दुरुपयोग किया जा रहा है। पुरुष फर्जी खातों का उपयोग करके महिलाओं की तस्वीरें पोस्ट कर रहे हैं और ग्रोक को उनके कपड़ों को कम करने और उन्हें यौन रूप से प्रस्तुत करने के लिए संकेत भेज रहे हैं। यह केवल फर्जी खातों के माध्यम से तस्वीरें साझा करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन महिलाओं को भी निशाना बनाया जा रहा है जो अपनी तस्वीरें पोस्ट करती हैं। यह अस्वीकार्य है और एआई फंक्शन का घोर दुरुपयोग है।

उन्होंने आगे कहा कि इससे भी बुरी बात यह है कि ग्रोक इस तरह के अनुरोधों को मानकर इस तरह के व्यवहार को बढ़ावा दे रहा है। यह महिलाओं के निजता के अधिकार का उल्लंघन होने के साथ-साथ उनकी तस्वीरों का अनधिकृत उपयोग भी है, जो न केवल अनैतिक है बल्कि आपराधिक भी है। प्रियंका चतुर्वेदी ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने और महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एआई-आधारित उपकरणों में सुरक्षा उपाय लागू करने का आग्रह किया है।

एक पत्र में चतुर्वेदी ने कहा कि भारत मूकदर्शक नहीं रह सकता जबकि रचनात्मकता और नवाचार की आड़ में महिलाओं की गरिमा का सार्वजनिक और डिजिटल रूप से उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने प्रमुख तकनीकी प्लेटफार्मों पर इसी तरह के अनियंत्रित व्यवहार पर बढ़ती चिंताओं को उजागर किया और इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की प्रथाएं आपराधिक व्यवहार के बराबर हैं। पत्र में लिखा है कि हमारा देश रचनात्मकता और नवाचार की आड़ में महिलाओं की गरिमा का सार्वजनिक और डिजिटल रूप से हो रहे उल्लंघन का मूक दर्शक नहीं बन सकता, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं होती और ऐसे कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाता।

मेरे पति का क्या कसूर था? बांग्लादेश में हिंदू पर हमले की हॉरर स्टोरी, पत्नी ने पूछा सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। खोकोन चंद्र दास के परिवार ने शुक्रवार को उन पर हुए क्रूर हमले की भयावहता बयां करते हुए कहा कि हमले के पीछे भीड़ का मकसद स्पष्ट नहीं है, क्योंकि वे एक शांतिप्रिय व्यक्ति थे। हमले में 30 प्रतिशत जलने के बाद दास का ढाका में इलाज चल रहा है। उनकी पत्नी सीमा दास एएनआई से बात करते हुए स्तब्ध थीं। अपनी गोद में शिशु को लिए हुए उन्होंने बताया कि कैसे दास घर में प्रवेश करने ही वाले थे कि बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और उन पर हमला कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरे पति, जो एक व्यवसायी हैं, घर में प्रवेश कर रहे थे तभी भीड़ ने उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। वे एक धैर्यवान व्यक्ति हैं और शांतिप्रिय जीवन जीते हैं। उनका किसी से कोई द्वेष नहीं है, और हम हमले के पीछे का मकसद समझ नहीं पा रहे हैं।

पीड़ित की बहन अंजना रानी दास ने बताया कि लाठियों से सिर पर वार किए जाने के कारण दास बुरी तरह घायल हो गए थे और खून से लथपथ हो गए थे। यह हमला रात 8:30 बजे हुआ। भीड़ ने उनके सिर पर वार किया और उन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अंजना ने बताया कि हमले के दौरान पीड़ित मदद के लिए चिल्लाते हुए पानी में कूदने की कोशिश कर रहे थे। खोकोन दास के भतीजे सौरभ दास ने एएनआई को बताया कि हमले की सूचना मिलते ही वह तुरंत अस्पताल पहुंचे और उनके चाचा की हालत गंभीर थी। उन्होंने कहा, चाचा पर हमले की सूचना मिलते ही मैं तुरंत अस्पताल पहुंचा। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच कर रही है। मेरे चाचा का चेहरा और हाथ जल गए थे।

पीड़ित के एक अन्य भतीजे प्रांतो दास ने हमले की गहन जांच की मांग की। हम चाहते हैं कि मामले की गहन जांच हो और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। मेरे चाचा की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वे आईसीयू में हैं और उनकी हालत बेहद नाजुक है। उन्होंने बताया कि खून के प्यासे गिरोह ने उन्हें जान से मारने की नीयत से घेर लिया था। बदमाशों ने शरियतपुर के दामुद्या में दास पर धारदार हथियार से हमला किया और उन्हें घायल कर दिया। इसके बाद उनके शरीर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी गई। प्रोथोम आलो के अनुसार, यह घटना बुधवार रात करीब 8:30 बजे दामुद्या के कनेश्वर यूनियन के केउरभंगा बाजार के पास हुई। स्थानीय लोगों ने बाद में उन्हें बचाया और शरियतपुर सदर अस्पताल ले गए, जहां आपातकालीन विभाग में उनका प्रारंभिक उपचार किया गया।

भांजे की सगाई के बाद वियतनाम पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, बीजेपी ने ली चुटकी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम दौरे पर हैं। ऐसी जानकारी सामने आई है कि राहुल 1 हफ्ते बाद वतन वापिसी करेंगे। इसी बीच 5 जनवरी को देश में कांग्रेस देशव्यापी 'मनरेगा बचाओ अभियान' शुरू करने जा रही है।

वियतनाम जाने से पहले राहुल गांधी राजस्थान के रणथंभौर में थे। यहां प्रियंका गांधी के बेटे रेहान वाड्रा की उनकी लॉन्ग-टाइम फ्रेंड अविवा बेग के साथ सगाई का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सगाई की रस्मों में गांधी और वाड्रा परिवार के साथ अविवा के माता-पिता (इमरान बेग और नंदिता बेग) भी शामिल हुए थे। नए साल का स्वागत करने के बाद राहुल अपनी अगली यात्रा पर निकल गए। राहुल गांधी के विदेश दौरों को लेकर बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर चुटकी ली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी 'लीडर ऑफ पयर्टन' की भूमिका बखूबी निभा रहे हैं। मालवीय ने कहा, 'हम सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें जर्मनी और वियतनाम की यात्राओं के बीच रणथंभौर में कुछ पल बिताने का समय मिल गया।' गौरतलब है कि इससे पहले संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान भी राहुल जर्मनी की यात्रा पर गए थे।

वैवाहिक विवाद में पति का वित्तीय प्रभुत्व क्रूरता नहीं : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बिगड़े हुए वैवाहिक संबंध में पति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी पर वित्तीय प्रभुत्व जमाना क्रूरता का कृत्य नहीं है। शीर्ष अदालत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि किसी आपराधिक मुकदमे को 'बदला लेने और व्यक्तिगत प्रतिशोध के माध्यम' के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति से अलग रह रही उसकी पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ क्रूरता और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए दर्ज कराये गए एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए की।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द करते हुए, जिसमें प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया गया था, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''आरोपी-अपीलकर्ता का मौद्रिक और वित्तीय दबदबा, जैसा कि प्रतिवादी-याचिकाकर्ता संख्या दो द्वारा आरोप लगाया गया है, किसी क्रूरता के मामले के रूप में नहीं देखा जा सकता, विशेषकर जब उससे कोई ठोस मानसिक या शारीरिक क्षति उत्पन्न नहीं हुई हो।''

उन्होंने कहा, ''यह स्थिति भारतीय समाज का आईना है, जहां घरों के पुरुष अक्सर महिलाओं के वित्तीय मामलों पर प्रभुत्व जमाने और नियंत्रण करने का प्रयास करते हैं, लेकिन किसी आपराधिक मुकदमे को बदला लेने या व्यक्तिगत प्रतिशोध के साधन के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।''

पीठ की ओर से फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने व्यक्ति द्वारा अलग रह रही अपनी पत्नी को भेजे गए पैसों के खर्च का विवरण मांगे जाने को क्रूरता का कृत्य मानने से भी इनकार कर दिया।

पीठ ने कहा, ''अदालतों को शिकायतों से निपटते समय अत्यंत सतर्क और सावधान रहना चाहिए और वैवाहिक मामलों में व्यवहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए, जहां आरोपों की जांच बड़ी सावधानी और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण से की जानी चाहिए, ताकि कानून की प्रक्रिया के दुरुपयोग को रोका जा सके।''

उन्नीस दिसंबर का यह फैसला उस अपील पर आया जो पति ने उच्च न्यायालय के 27 अप्रैल 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की थी, जिसमें उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने से इनकार किया गया था।

सिडनी में जीत इंग्लैंड टीम के बारे में बहुत कुछ बताएगी : क्रॉली

सिडनी **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉली ने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर पांचवें एशेज टेस्ट में संभावित जीत टीम की एकता दिखाएगी, भले ही वे एशेज बरकरार न रख पाएं। पहले तीन मैच हारने के बाद इंग्लैंड को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में 15 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, जिससे उन्हें खुश होने का मौका मिला। कॉर्ली ने कहा, 'मुझे लगता है कि ग्रुप के अंदर बहुत बड़ा अंतर है। अगर हम जीत हासिल कर पाते हैं तो यह दिखाता है कि हम कितने एकजुट हैं। यह (सीरीज) हमारे पक्ष में नहीं जा सकती है, लेकिन अगर हम इस हफ़्ते अच्छा प्रदर्शन कर पाते हैं, तो मुझे लगता है कि यह हमारे बारे में बहुत कुछ दिखाता है।' क्रॉली ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स की भी तारीफ की, खासकर ऑस्ट्रेलिया में लंबे दो महीनों के दौरान नेट्स में उनकी वर्क एथिक और रवैये की। पॉट्स और ऑफ-स्पिनर शोएब बशीर को सिडनी में होने वाले मैच के लिए 12 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

पॉट्स पूरी सीरीज के दौरान इंग्लैंड की टूरिंग पार्टी के अनयूज़्ड सदस्य रहे हैं, लेकिन 2024 के आखिर में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ

प्लेइंग 11 में खेलने के बाद अब 11वीं टेस्ट कैप के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी मैं उनका सामना करता हूं, वह मुझे प्रभावित करते हैं। उनके पास शेर जैसा दिल है, बहुत स्किल है और अगर उन्हें इस हफ़्ते मौका मिलता है, तो वह इसके पूरी तरह हकदार हैं।'

क्रॉली ने आगे चेतावनी दी कि अगर ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फी को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अपने पहले टेस्ट के लिए चुना जाता है, तो टूरिंग बल्लेबाज उन पर हमला करेंगे। मर्फी सिडनी में आखिरी एशेज मैच में खेलने की दौड़ में हैं, उन्हें एमसीजी में बॉक्सिंग डे मैच से बाहर कर दिया गया था, जहां ऑस्ट्रेलिया ने पूरी तरह से तेज गेंदबाजों को मैदान में उतारा था।

उन्होंने आखिर में कहा, 'जो भी खेलेगा, मुझे लगता है कि हमारी टीम का मंत्र यही है कि दबाव बनाया जाए। टॉड बहुत अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन मैं सोच सकता हूं कि हम उन पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे, जैसा कि हम उनके सभी गेंदबाजों के साथ करते हैं। इसमें कुछ रिस्क होंगे और अगर गेंद टर्न हो रही है, तो यह निश्चित रूप से खतरा होगा। लेकिन मुझे लगता है कि हम उनके सभी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।'

भारत का बंगलादेश दौरा रीशेड्यूल बीसीबी ने नई तारीखों का किया ऐलान

ढाका। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज और उतने ही टी20 के लिए भारत की मेजबानी करेंगे। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने बताया, 'बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे रीशेड्यूल कर दिया गया है।' भारतीय टीम अब 28 अगस्त को आने वाली है जिसमें वनडे मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे जिसके बाद पड़ोसी देश वापस घर लौट जाएंगे।

बीसीबी ने शुक्रवार को 2026 सीजन के लिए बांग्लादेश के घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें कैलेंडर में तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान, न्यूज़ीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज शामिल हैं। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'पुष्टि किया गया कार्यक्रम बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भरे सीजन को सुनिश्चित करता है, जिससे देश भर के समर्थकों को घर पर टॉप-लेवल क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा, जबकि मैच स्थलों का विवरण उचित समय पर घोषित किया जाएगा।' पाकिस्तान 9 मार्च को तीन वनडे दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा। अप्रैल-मई में न्यूज़ीलैंड का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा तीन वनडे के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आएगा जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप

सीरीज़ का हिस्सा हैं। पहला रेड-बॉल मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा 5 जून को तीन वनडे के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी।

भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जो चैम्पियनशिप का भी हिस्सा है। टेस्ट से पहले 22-24 अक्टूबर तक तीन दिन का वार्म-अप मैच होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा 5 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। श्रीलंका ए टीम भी मई 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैच और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर : पीएमआई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। नए ऑर्डर में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। शुक्रवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नवंबर के 56.6 से दिसंबर में 55 पर आ गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्किट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की कार्यकारी निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, ''वृद्धि की गति धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र वृद्धि से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है और प्रमुख मुद्रास्फीति दबावों की कमी मांग को समर्थन देना जारी रख सकती है।'' एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण द्वारा 'ट्रैक' किए गए कई मापदंडों में 2025 कैलेंडर वर्ष के अंत में वृद्धि की गति धीमी हो गई। दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि 38 महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गई। कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही। नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों से बेहतर मांग देखने को मिली।

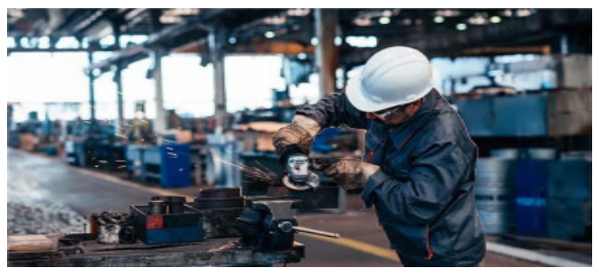

सर्वेक्षण में कहा गया, ''वर्तमान अवधि में रोजगार सृजन की गति सबसे कम रही...'' कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि कच्चे माल की लागत में ऐतिहासिक रूप से नगण्य गति से वृद्धि हुई है। साथ ही, 'मूल्य मुद्रास्फीति' की दर नौ महीनों के निचले स्तर पर आ गई है। भारतीय वस्तु उत्पादकों को 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है लेकिन समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है।

सातवीं बार डकार रैली में भाग लेंगे भारतीय राइडर हरिथ नोआ

यानबू (सऊदी अरब) **(एजेंसी)**। भारत के अग्रणी रैली रेड राइडर हरिथ नोआ शनिवार से यहां शुरू होने वाली विश्व की सबसे मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता डकार रैली में लगातार सातवीं बार हिस्सा लेंगे। केरल का यह 32 वर्षीय राइडर तीन से 17 जनवरी तक होने वाली डकार रैली में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

यह प्रतियोगिता छठी बार सऊदी अरब में आयोजित की जा रही है। डकार रैली में राइडर इस बार लगभग 8, 000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें लगभग 4, 800 किलोमीटर में राइडर रेत के टीलों, पथरीले इलाकों और दुर्गम पठारों से होकर गुजरेंगे।

इस दौरान केवल एक बार 10 जनवरी को राइडर को विश्राम करने का मौका मिलेगा। पांच बार के भारतीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियन नोआ ने 2020 में डकार रैली में पदार्पण किया था। तब यह रैली पहली बार सऊदी अरब में आयोजित की गई थी।

विदेश में कैंसर से जूझ रहे भारत के पूर्व कोच इलाज के लिए बेटी ने लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। माइकल नोब्स, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं, संन्यास के बाद भारतीय हॉकी टीम के कोच भी बने थे। वे पिछले करीब पांच सालों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। माइकल को फेफड़ों का कैंसर है, जो अब उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। बीमारी के साथ-साथ उन्हें आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका इलाज कराना मुश्किल हो गया है।

क्राउडफंडिंग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, माइकल नोब्स के इलाज के लिए एमीवेंटामैब नाम की एक विशेष दवा की जरूरत है, जो काफी महंगी है। केवल छह महीने के इलाज में करीब 64 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का खर्च आता है। इसी कारण उनके परिवार को लोगों से आर्थिक मदद मांगनी पड़ी।

माइकल की दो बेटियां हैं, कैटलिन नोब्स और जैमी नोब्स। कैटलिन खुद एक हॉकी खिलाड़ी हैं। दोनों बहनों ने 31 अगस्त 2025 को अपने पिता के इलाज के लिए एक क्राउडफंडिंग पोर्टल के जरिए मदद की अपील की। इस अभियान से करीब 75 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर जुटाए गए, लेकिन इसके बावजूद इलाज पूरी तरह सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है। कैटलिन नोब्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पिता फिलहाल सिडनी में रहते हैं, जबकि वे खुद पर्थ में हैं। दोनों शहरों के बीच करीब पांच घंटे की फ्लाइट दूरी है, जिससे दूर रहकर मदद करना और भी मुश्किल हो जाता है।

पिता की सेहत को लेकर बात करते हुए कैटलिन ने कहा कि इलाज चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन माइकल नोब्स में अब भी जीने की मजबूत इच्छाशक्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पिता को उन्हें हॉकी खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है और इससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कैटलिन ने कहा कि हॉकी से ज्यादा उनके बीच पिता-बेटी का रिश्ता अहम रहा है और चाहे वह अच्छा खेलें या बुरा, उनके पिता हमेशा उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं।

फास्टैग यूजर्स के लिए राहत एनएचएआई ने खत्म किया केवाईवी नियम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने घोषणा की है कि अब कार, जीप और वैन जैसी चार-पहिया गाड़ियों के लिए नए फास्टैग जारी करने में 'नो योर व्हीकल' (केवाईवी) प्रक्रिया पूरी तरह बंद कर दी जाएगी। यह बदलाव 1 फरवरी 2026 से लागू होगा। इसका मतलब है कि हाईवे पर फास्टैग का इस्तेमाल अब और आसान हो जाएगा और एक्टिवेशन के बाद होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी।

केवाईवी एक जांच प्रक्रिया है जो यह सुनिश्चित करती है कि फास्टैग सही वाहन और उसके असली मालिक से जुड़ा हो। यह डुप्लीकेट टैग, गलत लिंकिंग या अन्य गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए होती है। प्रक्रिया वाहन डेटाबेस पर गाड़ी के रजिस्ट्रेशन विवरण की जांच करके की जाती है और यह देखा जाता है कि पहले से कोई एक्टिव फास्टैग तो नहीं है या वाहन ब्लैकलिस्टेड तो नहीं है।

पहले फास्टैग एक्टिव होने के बाद भी कभी-कभी केवाईवी की जांच करनी पड़ती थी, जिससे यूजर्स को डॉक्यूमेंट्स जमा करने पड़ते थे। अब पोस्ट-एक्टिवेशन केवाईवी पूरी तरह खत्म कर दी गई है।

पुराने फास्टैग वाले वाहन भी रूटीन केवाईवी से मुक्त होंगे। केवल खास मामलों में जांच की जाएगी, जैसे कि फास्टैग ढीला होना, गलत जारी होना या शिकायत मिलने पर।

एनएचएआई ने तय किया है कि अब बैंक फास्टैग एक्टिव तभी कर सकेंगे जब वाहन पोर्टल पर गाड़ी की पूरी जानकारी जांच ली गई हो। दुर्लभ मामलों में यदि वाहन पोर्टल पर डेटा उपलब्ध नहीं है, तो बैंक को आरसी देखकर जांच करनी होगी।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को शुक्रवार को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह दूसरी बार यह पद संभालेंगे। इससे पहले उनके कोच रहते हुए भारतीय महिला टीम तोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। नीदरलैंड के पूर्व हॉकी खिलाड़ी 51 वर्षीय मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम से जुड़े रहे। उनकी टीम में मटियास विला भी शामिल होंगे जिन्हें विश्लेषणात्मक कोच नियुक्त किया गया है।

अर्जेंटीना के पूर्व मिडफील्डर विला ने 1997 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। वह दो दशकों से अधिक समय से कोचिंग से जुड़े हुए हैं। भारतीय हॉकी टीम में वेन लोम्बार्ड की भी वापसी हो रही है, जो वैज्ञानिक सलाहकार और खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें इसमें रोडेट इला और सियारा इला का सहयोग मिलेगा जिन्हें वैज्ञानिक सलाहकार नियुक्त किया गया है।

मारिन ने हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कहा, 'भारत वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में मदद कर सकूं।'

मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारत विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुआ था। मुख्य कोच के रूप में मारिन की पहली बड़ी चुनौती आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाला महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट होगा। मारिन 14 जनवरी को भारत पहुंचेंगे, जबकि राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरु स्थित परिसर में 19 जनवरी को शुरू होगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम सोर्ड मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हम खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने आगामी विश्व कप क्वालीफायर को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया। टीम की फिटनेस पर विशेष जोर दिया गया है, जो तोक्यो में भारतीय महिला टीम के ऐतिहासिक प्रदर्शन के प्रमुख कारणों में से एक था। हमें टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।'

संतोष ट्रॉफी 21 जनवरी से होगी शुरु 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्रॉफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्रॉफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है।

इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या- 230-वि./क.वि/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/608 दिनांक 31.12.2025

ई-निविदा सूचनां

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं.: 230-क.वि.-कार्य ठेका-997-2025

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत टीआरडी विभाग द्वारा पनकी पावर हाउस और सेल साइडिंग पनकी के ओवर हेड उपकरण (ओएचई) का दो वर्षों तक रखरखाव का कार्य।

अनुमानित लागत	बिड सुरक्षा राशि	कार्य अवधि	बोली प्रणाली
₹ 83,81,918.27	₹ 1,67,600.00	24 महीना	एक पैकेट

निविदा बंद होने की तिथि तथा समय: 22.01.2026, 14.00 बजे, निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 22.01.2026, 15.00 बजे।

नोट- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **2551/25 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/606 दिनांक : 31.12.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/स्पे0/30मएरे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-995-2025	अनुमानित लागत : रू0 1,25,18,922.12
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल के कंधौसी (KNS) और पाता (PTX) रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म को ऊपर उठाने के कारण एवं अछल्दा (ULD) स्टेशन पर पुराने FOB की जगह नये FOB के निर्माण के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।	
बिड सुरक्षा राशि : रू0. 2,12,600.00	कार्य अवधि : 09 महीना
बोली प्रणाली : एक पैकेट	
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 23.01.2026, 14:00 बजे	
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 23.01.2026, 15:00 बजे	

नोट : - 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **2549/25 (C)**

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

साउथ फिल्म 'डियर कॉमरेड' का बनेगा हिंदी वर्जन? रश्मिका और विजय को रिप्लेस करेंगे ये सेलेब्स

साउथ की चर्चित फिल्म 'डियर कॉमरेड' का जादू एक बार फिर चलने को तैयार है, लेकिन इस बार कहानी का फ्लेवर और चेहरे पूरी तरह से नए होंगे। साल 2019 में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की जोड़ी ने जिस इंटेंस लव स्टोरी से दर्शकों का दिल जीता था, अब उसी का हिंदी रीमेक बॉलीवुड में दस्तक देने जा रहा है। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन ने करीब 6 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी दे दी है।

काफी समय से अनुमान लगाए जा रहे थे कि क्या इस रीमेक में भी रश्मिका और विजय ही नजर आएंगे? लेकिन ताजा रिपोर्ट्स ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स ने फिल्म की फ्रेश टोन को देखते हुए सिद्धांत चतुर्वेदी और प्रतिभा रांटा को मुख्य भूमिकाओं के लिए लॉक किया है। 'धड़क 2' में सिद्धांत के गंभीर और इंटेंस एक्टिंग को काफी सराहा गया था। 'डियर कॉमरेड' के लीड कैरेक्टर (बॉबी) की आक्रामकता और जुनून को निभाने के लिए मेकर्स उन्हें सबसे बेस्ट मान रहे हैं। वहीं 'लापता लेडीज' से अपनी पहचान बनाने वाली प्रतिभा रांटा अपनी सादगी और इमोशनल रेंज के लिए जानी जाती हैं। फिल्म के (लिली) के इमोशनल सफर को जीने के लिए उन्हें कास्ट किया गया है।

धर्मा प्रोडक्शन के पास फिल्म के राइट्स 2019 से ही थे, लेकिन वे सही समय और सटीक कास्टिंग का इंतजार कर रहे थे। मेकर्स का उद्देश्य इसे केवल एक 'रूटीन रीमेक' बनाना नहीं है। फिल्म की मेन कहानी के उतार-चढ़ाव को बरकरार रखा जाएगा, लेकिन इसकी स्क्रिप्ट में कुछ ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं जो इसे पैन इंडिया दर्शकों के लिए और अधिक रिलेटेबल बनाएंगे। सिद्धांत और प्रतिभा की जोड़ी को चुनने के पीछे की बड़ी वजह उनका 'रॉ' और 'ऑथेंटिक' एक्टिंग है।

साउथ फिल्म में एक ऐसे छात्र नेता की कहानी थी, जो गुस्से और अपनी सोच से लड़ता है, जबकि उसकी प्रेमिका एक क्रिकेटर होती है, जो मानसिक शोषण का शिकार होती है। यह फिल्म प्यार और स्ट्रगल की कहानी है। अब इसमें ये देखना होगा कि क्या विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की केमिस्ट्री को सिद्धांत और प्रतिभा पर्दे पर दिखा पाएंगे।

बच्चे नहीं करने के सवाल पर फूटा बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्ना का गुस्सा, पत्नी के सपोर्ट में बोले, 'तैयार नहीं

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 खत्म हो गया है और गौरव खन्ना ट्रॉफी जीतकर घर पहुंच गए हैं, लेकिन एक सवाल गौरव खन्ना और उनकी पत्नि आकांक्षा चमोला का पीछा नहीं छोड़ रहा है। बिग बॉस के फैमिली वीक में गौरव खन्ना को सपोर्ट करने उनकी पत्नी आई थीं और तब ये मुद्दा उठा था कि गौरव और आकांक्षा अपनी बेबी नहीं चाहते हैं। इस वजह से वह दोनों ट्रोल हुए। मीडिया राउंड में भी गौरव से ये सवाल किया गया और अब बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद भी ये सवाल उनसे किया गया, जिसके बाद उनका गुस्सा निकला है। बिग बॉस 19 से बाहर आकर न्यूज 18 शोशा के साथ गौरव खन्ना ने खास बातचीत की है। इस दौरान गौरव ने अपनी बिग बॉस जर्नी से लेकर बच्चों को ना करने पर पत्नी आकांक्षा के ट्रोल होने पर जवाब दिया है। गौरव ने शो से बाहर आकर कहा कि आखिर हम हमेशा यही क्यों चाहते हैं कि हमारी पत्नी हमेशा ही पति को सपोर्ट करती रहे। क्या पति का कोई फर्ज नहीं बनता। क्या पति सपोर्टिव नहीं हो सकता? हमारा भी फर्ज बनता है कि अपने पार्टनर को पूरा सपोर्ट करना चाहिए। मैं अपनी पत्नी की बात से पूरी तरह सहमत हूं और मैं अपनी शादीशुदा जिंदगी से बहुत ही खुश हूं। बता दें कि गौरव खन्ना की पत्नी ने बिग बॉस में आकर साफ कहा था कि वह बच्चे की जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार नहीं हैं और गौरव खन्ना ने नेशल टीवी पर अपनी पत्नी का सपोर्ट किया था। याद दिला दें कि मीडिया राउंड में भी गौरव खन्ना से बच्चों पर आकांक्षा के फैसले को लेकर सवाल किया गया था और तब गौरव की इमोशनल साइड सामने आई थी। गौरव तब मीडिया का सवाल सुनकर रो पड़े थे और उन्होंने खुलेआम कहा था कि वह अपनी पत्नी से बहुत प्यार करते हैं और हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे। तब सोशल मीडिया पर गौरव की जमकर तारीफ की थी।